INS ACCREDITED
यूनिकॉम
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

सांध्य दैनिक
यूनिक समय

RNI-UPHIN/2023/85053

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त : DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-16 | मथुरा, शुक्रवार, 13 मार्च 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

मथुरा को मिला दूसरा वायु गुणवत्ता निगरानी केंद्र, केएम मेडिकल कॉलेज में स्थापित

विशेष संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। जनपद में बढ़ते पर्यावरणीय सरोकारों के बीच वायु गुणवत्ता की सटीक निगरानी के लिए मथुरा को एक और आधुनिक वायु निगरानी केंद्र की सौगात मिली है। यह नया वायु गुणवत्ता निगरानी केंद्र स्टेशन सौंख रोड स्थित केएम मेडिकल कॉलेज परिसर में स्थापित किया गया है। सूत्रों के अनुसार इस निगरानी केंद्र को दो दिन पूर्व ही इंस्टॉल किया गया है और फिलहाल इसकी तकनीकी जांच व प्रारंभिक तैयारियां चल रही हैं। विभागीय

अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही इसका ट्रायल रन शुरू किया जाएगा, जिसके बाद यह पूरी तरह से सक्रिय होकर मथुरा शहर और आसपास के क्षेत्रों की वायु गुणवत्ता का डेटा उपलब्ध कराएगा। अब तक मथुरा जनपद में सिर्फ एक ही वायु गुणवत्ता निगरानी केंद्र है, वह वृंदावन के ओमेक्स सिटी क्षेत्र में स्थापित है। शहर के विस्तार और बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए लंबे समय से दूसरे निगरानी केंद्र की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। केएम मेडिकल कॉलेज में लगाए गए इस नए स्टेशन से मथुरा के शहरी क्षेत्र, सौंख रोड और आसपास के इलाकों की वायु गुणवत्ता का अधिक सटीक आकलन संभव हो सकेगा। विशेषज्ञों के अनुसार इस केंद्र के माध्यम से पीएम 2.5, पीएम 10, सल्फर डाइऑक्साइड, नाइट्रोजन ऑक्साइड समेत कई प्रमुख प्रदूषक तत्वों की निरंतर निगरानी की जाएगी। इससे प्रदूषण के स्तर का वास्तविक समय का डेटा उपलब्ध होगा, जो प्रशासन को पर्यावरण संरक्षण के लिए आवश्यक कदम उठाने में मदद करेगा। पर्यावरण से जुड़े जानकारों का कहना है कि वायु गुणवत्ता निगरानी केंद्रों की संख्या बढ़ने से प्रदूषण नियंत्रण की रणनीति अधिक प्रभावी बनेगी, और स्थानीय स्तर पर प्रदूषण के स्रोतों की पहचान भी आसान होगी। स्थानीय लोगों और पर्यावरण प्रेमियों ने इस पहल का स्वागत करते हुए उम्मीद जताई है कि नए निगरानी केंद्र से मथुरा की वायु गुणवत्ता पर बेहतर निगरानी रखी जा सकेगी और स्वच्छ वातावरण की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे।

सौंख रोड पर लगा नया एयर मॉनिटरिंग स्टेशन

जल्द शुरू होगा ट्रायल रन

शादी समारोह बना रणभूमि, बारातियों-स्थानीयों में भिड़ंत

कुर्सियां चलीं,फायरिंग से इलाके में मचा भारी हड़कंप

वैवाहिक कार्यक्रम में फिंकती कुर्सियों के नजारे।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। शहर के कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत बीएसए रोड स्थित एक शादी समारोह उस समय जंग के मैदान में बदल गया, जब बारातियों और स्थानीय लोगों के बीच मामूली कहासुनी ने हिंसक रूप ले लिया। विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई और कुर्सियां तक चलने लगीं। हंगामे के दौरान कथित रूप से फायरिंग होने से समारोह में अफरा–तफरी मच गई। बताया जा रहा है कि यह विवाद शराब को लेकर शुरू हुआ था। देखते ही

शराब के विवाद ने बिगाड़ा शादी का माहौल

हंगामे के बाद दूल्हे ने सात फेरे लेने से किया इन्कार

देखते कहासुनी ने उग्र रूप ले लिया और बारातियों व स्थानीय लोगों के बीच हाथापाई शुरू हो गई। आरोप है कि स्थानीय पूर्व पार्षद तिलकवीर सिंह अपने समर्थकों के साथ शादी समारोह में पहुंचे थे, जहां किसी बात को लेकर उनका बारातियों से विवाद हो गया। इसके बाद दोनों पक्ष आमने–सामने आ गए और माहौल तनावपूर्ण हो गया। दुल्हन के पिता प्रमोद कुमार ने आरोप लगाया कि करीब 20 से 25 लोग अचानक समारोह स्थल पर पहुंच गए और हंगामा करते हुए तीन से चार राउंड फायरिंग भी की। इससे मौके पर मौजूद लोगों में दहशत फैल गई और शादी समारोह में भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। कई लोग इस दौरान चोटिल भी हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने घायलों को मेडिकल परीक्षण के लिए भेज दिया है। बताया जा रहा है कि बारात राजस्थान से आई थी, लेकिन हंगामे के बाद माहौल इतना बिगड़ गया कि दूल्हे ने शादी करने से ही इन्कार कर दिया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार मामले में अभी तक तहरीर का इंतजार किया जा रहा है। तहरीर मिलने के बाद आरोपियों के खिलाफ आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद क्षेत्र में काफी देर तक तनाव का माहौल बना रहा।

वृंदावन में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ा

ठाकुर बांके बिहारी मंदिर में दर्शन करने को जाते श्रद्धालु।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। शुक्रवार को भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा। अटल्ला चुंगी से लेकर चुंगी चौराहा तक जाम में फंसे वाहनों में सवार गर्मी के कारण पसीनों से तर बतर हो गए। सभी लोग आज ट्रैफिक व्यवस्था को कोसने लगे। वजह थी कि आज वृंदावन में रथ मेला था। रथ में सवार ठाकुर गोदा रंगमन्नार के दर्शन करने को हर कोई लालयित नजर आ रहा था। लोगों का कहना है कि पुलिस ने आज क्या कोई ट्रैफिक प्लान नहीं बनाया। हालात यह थे रास्ते में छोटी बड़ी गाड़ियों की लंबी लाइन लगी दिखाई दी। इन गाड़ियों के बीच में रोगी को ले जाने वाली एम्बुलेंस भी फंसी नजर आई। भीड़ का दबाव ठाकुर बांके बिहारी मंदिर में साफ नजर आया।

अटल्ला चुंगी से चुंगी चौराहा तक जाम

एम्बुलेंस समेत कई बड़ी गाड़ियां फंसी

बांके बिहारी मंदिर में श्रद्धालुओं ने खाए धक्के

गैस सिलेंडर बुकिंग समय में परिवर्तन

यूनिक समय, मथुरा। रसोई गैस को लेकर अब बुकिंग समय में परिवर्तन किया गया। गैस सिलेंडर बुकिंग का समय सुबह पांच से सात बजे तथा रात आठ से 12 बजे तक होगा।

रुचि

देश के राष्ट्रपतियों का वृंदावन से लगाव

दूसरी बार आने वाली तीसरी राष्ट्रपति होंगी द्रौपदी मुर्मू

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृन्दावन। राष्ट्रपति दौपद्री मुर्मू का 19 मार्च को मंदिरों की नगरी में आने का प्रस्तावित कार्यक्रम हैं। वृन्दावन आ रहीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू लगातार तीसरी राष्ट्रपति होंगी, जो दूसरी बार वृन्दावन आ रहीं हैं। इनसे पहले निवर्तमान राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद एवं पूर्व राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी भी दो बार वृन्दावन की यात्रा कर चुके हैं। इतिहासकार आचार्य प्रहलाद बल्लभ गोस्वामी ने बताया कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू पहली बार 25 सितंबर 25 को

वृन्दावन आईं थीं और अब 19 मार्च को फिर आ रही हैं। इनसे पहले निवर्तमान राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद भी

इससे पहले कई राष्ट्रपति वृंदावन आ चुके हैं

दो बार वृंदावन आए थे।

उन्होंने पहली बार 28 नवंबर 2019 को और दूसरी बार 27 जून 2022 को वृन्दावन का दौरा किया था। इतिहासकार के अनुसार पूर्व राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी का भी दो मर्तबा वृन्दावन आगमन हो चुका है। श्री मुखर्जी 16 नवंबर 2014 और 18 नवंबर 2015 में वृन्दावन आए थे। उनसे पहले साल 1987 में पूर्व राष्ट्रपति ज्ञानी जैलसिंह एवं वर्ष 1957 में देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद एक–एक बार वृन्दावन आए थे। इतिहासकार आचार्य प्रहलाद बल्लभ गोस्वामी के मुताबिक हालांकि भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. शंकर दयाल शर्मा वर्ष 1993 में, रामास्वामी वेंकटरमण साल 1985 में एवं वर्ष 1959 में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन वृन्दावन आ चुके हैं। लेकिन उस समय वह तीनों महानुभाव देश के उपराष्ट्रपति थे एवं ब्रजयात्रा के बाद राष्ट्रपति पद पर असीन हुए थे।

गैस की किल्लत के बीच गैस

यूनिक समय, गोवर्धन। सोरन गैस एजेंसी के विवेक ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से सर्वर की समस्या के कारण लोगों को बुकिंग में थोड़ी समस्या आ रही थी लेकिन आने वाले दो–चार दिनों में यह समस्या भी समाप्त हो जाएगी। तब तक के लिए ऑफलाइन रजिस्टर में गैस बुकिंग की व्यवस्था हम लोगों ने ग्राहकों की सुविधा को देखते हुए शुरू कर दी है। अब लोगों को गैस सिलेंडर प्राप्त करने में दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ेगा।

विशेष अनुरोध

यदि आपको यूनिक समय समाचार पत्र की प्रति (कॉपी) प्राप्त नहीं हो रही है तो हमारे इस मोबाइल नंबर पर संपर्क कर प्राप्त कर सकते हैं।
8394983366

ज्ञान दीदी बन ब्रज की बेटियाँ बदल रहीं गांवों की तस्वीर

छोटी बहनों को भरवा रही है शिक्षा रूपी उड़ान

छोटी बालिकाओं को पढ़ाती एक बेटी।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। ब्रज की शिक्षित बेटियाँ डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के इस विचार को जीवंत कर रही हैं शिक्षा का उद्देश्य केवल जानकारी देना नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण, रचनात्मकता और समाज के लिए उपयोगी व्यक्ति बनाना है।

अपने ही गाँव के परिषदीय विद्यालयों में ज्ञान दीदी के रूप में सेवा दे रही ये बेटियाँ शिक्षा रूपी प्रकाश को घर-घर तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। अब ये बेटियाँ अक्षय पात्र फाउंडेशन के अभय प्रकल्प उपचारात्मक एवं रचनात्मक शिक्षण से जुड़कर शिक्षा को और अधिक प्रभावी, रोचक और नवाचारी बनाने में योगदान दे रही हैं। अक्षयपात्र फाउंडेशन द्वारा वर्ष 2018 में प्रारम्भ यह कार्यक्रम आज मथुरा जनपद के 33 गांवों में 37 केन्द्रों के माध्यम से 2041 विद्यार्थियों को प्रत्यक्ष रूप से लाभांवित कर रहा है। जिले के सभी ब्लॉकों में यह शिक्षण धारा अविरल बह रही है। कार्यक्रम संयोजक राधे श्याम उपाध्याय ने बताया कि अभय कार्यक्रम विशेष रूप से परिषदीय विद्यालयों के कक्षा 1 से 8 तक के विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो रहा है। बच्चों के बौद्धिक, शारीरिक और रचनात्मक विकास हेतु नवाचार आधारित शिक्षण सामग्री का निर्माण कर अध्यापन कराया जा रहा है। ब्रज की बेटियों के निरंतर परिश्रम और अभय कार्यक्रम की नवाचारी शिक्षण पद्धति ने आज शिक्षा की अलख को गाँव–गाँव तक पहुँचा दिया है, यह केवल कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक सामाजिक परिवर्तन की यात्रा है, ब्रज की बेटियों द्वारा, ब्रज के बच्चों के लिए।

जनपद के अभय केन्द्र शिक्षा के 35 दीपस्तम्भ

रामताल, नरायणपुर, गौदा आट्स, बड़ी आट्स, देवी आट्स, जौनाई, भरतिया, गोपालगढ़, तेहरा, सुनरख, जहागीरपुर, बेगमपुर, मांट राजा, छाँहरी, मघेरा, बाटी, देवीपुरा, गणेशरा, बाकलपुर, रावल, गोकुल, मुखराई, राधाकुंड, नीमगाँव, गांठोली, सकीतरा, बरसाना, चिकसौली, डभाला, कमई, करहला, ऊँचागाँव, संकेत, रीठौरा, नंदगाँव।

बरसाना के अभय केंद्र से जुड़ी कोर्डिनेटर सुश्री पूजा गौड़ का कहना है कि वह इस प्रकल्प से जुड़कर अपने गाँव के बच्चों को रचनात्मक शिक्षा दे पा रहीं हैं। अपने ही गाँव के बच्चों को शिक्षित करना मेरे लिए गर्व की बात है। अभय कार्यक्रम ने अभिभावकों में भी शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाई है।

अभय शिक्षा केन्द्र, गांठोली से जुड़ी सुश्री सीमा सैनी का कहना है कि वह ग्रामीण परिवेश में ही पढ़ी–बढ़ी हूँ। समाज में आज भी माता–पिता बेटियों की शिक्षा को लेकर उदासीन हैं। अभय प्रकल्प से जुड़कर मुझे अपने गांव के भाई बहनों को शिक्षा प्रदान करने का जो अवसर प्रदान किया हैं वो मेरे लिए गौरवपूर्ण है।

अभय केन्द्र, बेगमपुर बेलवन से जुड़ी सुश्री नीरज सिंह कहती हैं कि शिक्षा का मुख्य उद्देश्य शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक तीनों ही स्तरों पर व्यक्तित्व का संपूर्ण विकास करना है। अभय कार्यक्रम के माध्यम से मैं अपने गाँव के बच्चों को लाभ पहुँचा रही हूँ।

अभय केन्द्र बाटी बहुलावन से जुड़ी सुश्री रेखा शर्मा कहती हैं कि वह 2018 से अभय कार्यक्रम से जुड़ी हूँ। विभिन्न गतिविधियों और नवाचारों के माध्यम से कक्षा 1 से 8 तक के विद्यार्थियों को रचनात्मक, कलात्मक एवं व्यावहारिक ज्ञान देकर उन्हें लाभान्वित कर रही हूँ।

तापमान / मौसम

37 डिग्री सेल्सियस अधिकतम

21 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

सोना–चांदी भाव

सोना

24 कैरेट 1,59,500

22 कैरेट 1,46,740

(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

चांदी

2,68,000 प्रति किलो

आपातकालीन सेवाएं

112	-आपातकालीन सेवा
1962	- रेलवे हेल्पलाइन
100	- पुलिस
108	- एंबुलेंस (स्वास्थ्य सेवा)
102	- एंबुलेंस (मातृ एवं शिशु सेवा)
101	- अग्निशमन (फायर ब्रिगेड)
1090	- महिला हेल्पलाइन
1091	- महिला पुलिस सहायता
1098	- चाइल्ड हेल्पलाइन
104	- स्वास्थ्य सलाह सेवा
1076	- मुख्यमंत्री हेल्पलाइन
1033	- राष्ट्रीय राजमार्ग आपात सेवा
1073	- सड़क दुर्घटना आपात सहायता

15वें महारक्तदान शिविर में 106 युवाओं ने कराया पंजीकरण

यूनिक समय, मथुरा। अमरनाथ गर्ल्स डिग्री कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई ने सदभावना चैरिटेबल ब्लड बैंक, एनएनबी वेलफेयर काउंसिल तथा श्रीअरविंद सोसायटी के सहयोग से आयोजित महा रक्तदान शिविर में कॉलेज की छात्राओं सहित युवाओं ने भाग लिया। शिविर में 106 युवाओं ने रक्तदान के लिए पंजीकरण कराया, वहीं योग्य पाए गए रक्तदाताओं से सुरक्षित प्रक्रिया के तहत रक्त संग्रह किया गया। रक्तदान शिविर का शुभारंभ अपर नगर आयुक्त राकेश त्यागी और पत्रकार प्रकाश सिंह ने फीता काटकर किया। नोएडा से आए प्रकाश सिंह ने युवाओं को संबोधित करते हुए रक्तदान के महत्व पर अपने विचार साझा किए। विशिष्ट अतिथि मथुरा करणी सेना के अध्यक्ष दिनेश ठाकुर तथा पुष्पेंद्र पहलवान थे। इस मौके पर एनएनबी ग्रुप के संस्थापक कुंवर गोपाल ठाकुर, एनएनबी वेलफेयर काउंसिल के प्रांजल अग्रवाल, एनएसएस इकाई के प्रमुख डॉ. निर्मल वर्मा एवं प्रवक्ता नूतन देहर आदि उपस्थित थे। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अनिल वाजपेयी ने कहा कि युवाओं के लिए रक्तदान देश सेवा का सबसे बड़ा माध्यम है और ऐसे आयोजन समाज में जागरूकता बढ़ाने का महत्वपूर्ण कार्य करते हैं।

रक्तदान करने वालों को प्रशस्ति पत्र देते अतिथि।

एलपीजी को लेकर घबराएं नहीं, पर्याप्त गैस उपलब्ध

यूनिक समय, मथुरा। एलपीजी के जिला नोडल अधिकारी सुमित कसाना ने एलपीजी ग्राहकों से कहा है कि पेनिक क्रिएट न करें। सभी घरेलू उपभोक्ताओं को समय से सिलेंडर उपलब्ध कराने के लगातार प्रयास जारी हैं। पर्याप्त मात्रा में गैस आगरा एवं जनपदों के लिए उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि 25 दिन के बाद बुकिंग के प्रावधान को भी इसलिए लागू किया गया है कि सभी ग्राहकों को अपनी आवश्यकता पर सिलेंडर मिल सके। हॉस्पिटल स्कूल के अलावा अन्य सभी कमर्शियल एक्टिविटीज के लिए फिलहाल सिलेंडर की सप्लाई पर रोक है कालाबाजारी की शिकायतों को कॉरपोरेशन गंभीरता से ले रहा है आमजन से अपील है कि वे कालाबाजारी को बढ़ावा न दें और यदि कोई कालाबाजारी या जमाखोरी का प्रयास कर रहा है तो उसकी सूचना दें।

सुमित कसाना

स्वामी लीलाशाह जयंती पर सिंधी पंचायत ने निकाली संकीर्तन यात्रा

नगर में गूंजे लीलाशाह–शहंशाह के जयकारे

संकीर्तन यात्रा में शामिल सिंधी पंचायत के पदाधिकारी।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। सिंधी समुदाय के मार्गदर्शक आध्यात्मिक गुरू स्वामी लीलाशाह महाराज की 146 वीं जयंती मनाई गई। सिंधी जनरल पंचायत ने नगर में संकीर्तन यात्रा निकाली। मीडिया प्रभारी किशोर इसरानी ने बताया कि बहादुर पुरा स्थित सिंधी धर्मशाला में स्वामी लीलाशाह की छवि की झांकी फूलों से सजाकर दीप प्रज्जवलित कर पूजा–अर्चना की गई। पंडित मोहन लाल महाराज ने आरती कराई। तदोपरांत झांकी के साथ एक संकीर्तन यात्रा शुरू हुई, जिसमें सिंधी समाज के सैंकड़ों नर–नारी और बच्चे उत्साह के साथ शहंशाह–लीलाशाह और बोलेगा लीलाशाह उसका होगा बेड़ापार तथा हरे रामा–हरे कृष्णा की धुनि गाते हुए चल रहे थे। रास्ते में जगह–जगह पर पुष्प वर्षा कर संकीर्तन यात्रा का स्वागत किया गया और प्रसाद भी बांटा जा रहा था।

जवाहर हाट, होली गेट, छत्ता बाजार, डोरी बाजार, चौक बाजार, भरतपुर गेट, कोतवाली रोड से होते हुए संकीर्तन यात्रा अपने उदगमस्थल सिंधी धर्मशाला पहुंची, जहां सिंधी कलाकार चंद्रकांत लालवानी ने भजन–कीर्तन से स्वामी लीलाशाह महाराज का गुणगान किया। सिंधी जनरल पंचायत के अध्यक्ष नारायण दास लखवानी ने स्वामी लीलाशाह के संदेश पर प्रकाश डाला। सिंधी उत्सव के मुख्य संयोजक रामचंद्र खत्री ने बताया कि स्वामी लीलाशाह ने भारतीय संस्कृति के पुनरोत्थान तथा सोई हुई आध्यात्मिकता को जगाने के लिये बेहतर कार्य किये। इस मौके पर महामंत्री बसंतलाल मंगलानी, तुलसीदास गंगवानी, जीवतराम चन्दानी, डॉ. प्रदीप उकरानी, कन्हैयालाल भाईजी, गुरुमुखदास गंगवानी, सुरेशचन्द मेठवानी, जितेन्द्र लालवानी, भगवान दास मंगवानी बेबूभाई, रमेश नाथानी, जितेन्द्र भाटिया, पीताम्बरदास रोहेरा, झामनदास नाथानी, चन्दनलाल आडवानी, सुदामा खत्री, हरीश चावला, अशोक अंदानी, गिरधारीलाल नाथानी, महेश घावरी, दौलतराम खत्री, कन्हैयालाल खत्री एडवोकेट, सुरेश मनसुखानी, विष्णु हेमानी, अनिल मंगलानी, मुकेश मिर्चु कोतकवानी, तरुण लखवानी, मन्नू मंगलानी, लक्ष्मणदास वाधवानी, अशोक डाबरा, अमित आसवानी, राजेश खत्री, योगेश खत्री तथा मीडिया सहायक विकास खत्री आदि उपस्थित थे।

सिंधी युवाओं द्वारा 16 मार्च को निकाली जाएगी वाहन रैली

यूनिक समय, मथुरा। सिंधी संस्कृति और चेटीचंड पर्व को ध्यान में रखते हुए सिंधी नवयुवक मंडल युवा अध्यक्ष तरूण लखवानी, उपाध्यक्ष मनोहर मंगलानी, महामंत्री तरूण नाजवानी के नेतृत्व में गोवर्धन चौराहे से 16 मार्च को सुबह 8 बजे वाहन रैली निकाली जाएगी, जिसका समापन डीग गेट, होली गेट होते हुए बहादुर पुरा स्थित स्वामी लीलाशाह सिंधी धर्मशाला में होगा।

गैस सिलेंडर की किल्लत से छोटे व्यापारी परेशान : शशिभानु

यूनिक समय, मथुरा। शहर में गैस सिलेंडर की कमी और कालाबाजारी के चलते छोटे कारोबारियों के सामने रोजी–रोटी का संकट खड़ा हो गया है। नगर उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के महामंत्री शशिभानु गर्ग ने बताया कि नगरीय क्षेत्र में लगभग 3000 ठेले, खोमचे, रेहड़ी–पटरी, फास्ट फूड और हलवाई का छोटा व्यवसाय करने वाले व्यापारी गैस सिलेंडर न मिलने से अपना काम नहीं चला पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि शासन स्तर पर गैस की उपलब्धता सामान्य बताई जा रही है, लेकिन स्थानीय स्तर पर छोटे व्यापारियों को सिलेंडर नहीं मिल पा रहे हैं। इससे आशंका है कि कुछ लोग कालाबाजारी कर सरकार को बदनाम करने और मुनाफा कमाने में लगे हैं।

उन्होंने बताया कि शादी–ब्याह के सीजन और गैस बुकिंग में दिक्कत के कारण स्थिति और गंभीर हो गई है, जिसके चलते कई दुकानदारों ने अपनी दुकानें तक नहीं खोलीं। संगठन ने प्रशासन से मांग की है कि जिम्मेदार अधिकारियों की निगरानी में छोटे व्यापारियों को प्राथमिकता के आधार पर गैस सिलेंडर उपलब्ध कराए जाएं और कालाबाजारियों पर सख्त कार्रवाई की जाए।

प्राकृतिक चिकित्सा से रोगों का उपचार

यूनिक समय, गोवर्धन। तहसील भवन में राजस्व अधिवक्ता फोरम, आरोग्य पीठ अर्धनारीश्वर चिकित्सा बैलेंस न्यूरोपैथी वृंदावन दिल्ली ने अधिवक्ता, लेखपाल और अधिकारियों को रोगों से मुक्ति निशुल्क चिकित्सा शिविर लगाया। आरोग्य पीठ के योगाचार्य बलवीर सिंह की अगुवाई में टीम में शामिल सत्यवीर और दयाशंकर ने प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति से रोगों का उपचार किया गया।

रमजान अलविदा, जुमे की नमाज

मस्जिदों में भीड़ उमड़ी,पुलिस मुस्तैद

रमजान अलविदा पर जुमे की नमाज अदा करते मुस्लिम।

शाही जामा मस्जिद से नमाज पढ़ने के बाद बाहर आते मुस्लिम समाज के लोग।

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। जिले में रमजान अलविदा की शुक्रवार को जुमे की नमाज शांति और भाईचारे के माहौल में अदा की गई। शहर और ग्रामीण क्षेत्रों की मस्जिदों में बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के लोग नमाज पढ़ने पहुंचे। ईदगाह मस्जिद, डीग गेट क्षेत्र की मस्जिद, शाही मस्जिद सहित कई स्थानों पर नमाजियों की अच्छी भीड़ रही। नमाज के बाद लोगों ने एक–दूसरे से गले मिलकर मुबारकबाद दी और देश में सुख–शांति और भाईचारे की दुआ मांगी। पूरे माहौल में आपसी प्रेम और सद्भाव देखने को मिला।

शाही जामा मस्जिद चौक बाजार पर पुलिस।

जुमे की नमाज को लेकर पुलिस और प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा। प्रमुख मस्जिदों के आसपास सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए थे। संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात रहा और अधिकारी लगातार निगरानी करते रहे। नमाज के बाद शहर के बाजारों में भी चहल–पहल बढ़ गई। ईद का त्योहार नजदीक होने के कारण लोगों ने खरीदारी शुरू कर दी है। कपड़ों, जूतों, टोपी और अन्य जरूरी सामान की दुकानों पर ग्राहकों की भीड़ दिखाई देने लगी है। खासकर युवाओं और बच्चों में नए कपड़े खरीदने को लेकर काफी उत्साह नजर आ रहा है। दुकानदारों का कहना है कि जैसे–जैसे ईद करीब आएगी, बाजारों में भीड़ और बढ़ेगी।

यमुना एक्सप्रेसवे पर दो हादसे, सात लोग घायल

संवाददाता

टायर फटने से मैक्स पिकअप पलटी

नींद आने से क्रेटा डिवाइडर से टकराई

घायलों को सीएचसी नौहझील भेजा

यूनिक समय, सुरीर (मथुरा)। यमुना एक्सप्रेसवे पर शुक्रवार को अलग–अलग स्थानों पर हुए दो सड़क हादसों में सात लोग घायल हो गए। एक हादसा मैक्स पिकअप का टायर फटने से हुआ, जबकि दूसरे हादसे में कार चालक को नींद आने के कारण तेज रफ्तार क्रेटा कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। सभी घायलों को एंबुलेंस से अस्पताल भेजा गया। मिली जानकारी के अनुसार शुक्रवार तड़के करीब 2:25 बजे यमुना एक्सप्रेसवे पेट्रोलिंग टीम रोमियो को सूचना मिली कि बाजना क्षेत्र में एक मैक्स पिकअप दुर्घटनाग्रस्त हो गई है। सूचना पर पुलिस चौकी प्रभारी बाजना हरेंद्र सिंह मौके पर पहुंचे। जांच में पता चला कि वाहन संख्या डीएल 1 एल 4720 मैक्स पिकअप का पीछे का टायर फटने से वाहन अनियंत्रित होकर पलट गयी। हादसे में चालक विनोद निवासी औरैया तथा उनकी पत्नी द्रौपदी घायल हो गए। सूचना पर पहुंची एंबुलेंस से दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नौहझील भेजा गया। वहीं दूसरी घटना शुक्रवार सुबह करीब 8:40 बजे की है। पीआरबी 1877 को यमुना एक्सप्रेसवे के किलोमीटर संख्या 70.400 एलएचएस पर एक कार दुर्घटना की सूचना मिली। एचआर 36 एके 1417 क्रेटा कार का चालक अचानक नींद आने के कारण सामने चल रहे अज्ञात वाहन में पीछे से टकरा गया, जिससे कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से जा भिड़ी। इस हादसे में आशीष, तनु यादव, प्रीमा यादव, रवीश यादव और बलवंत निवासी रेवाड़ी (हरियाणा) घायल हो गए। सभी घायलों को एंबुलेंस की मदद से सीएचसी नौहझील भेजा गया।

पीडब्ल्यूडी की सड़क का गड्ढा बना स्वागत द्वार

छह महीने में नई सड़क ने दिखाए गड्ढे

सड़क पर दिखाई दे रहा गड्ढा।

अकबरपुर–शेरगढ़ मार्ग पर उभरे गड्ढे

कर रहे किसी बड़े हादसे का इंतजार

ग्रामीण बोले–अधिकारियों को सूचना के बाद भी नही हुई कार्रवाई

संवाददाता

यूनिक समय, चौमुहां। अकबरपुर-शेरगढ़ मार्ग का निर्माण हुए अभी लगभग छह महीने ही हुए हैं, लेकिन इस सड़क पर कई स्थानों पर गड्ढे उभर आए हैं। ऐसा ही एक बड़ा गड्ढा अकबरपुर मार्ग स्थित गांव तरौली में महाराणा प्रताप चौराहे के समीप सड़क के बीचों–बीच दिखाई दे रहा है, जहां पानी निकासी की पुलिया धंसने से सड़क पर गहरा गड्ढा हो गया है। यह सड़क लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के अंतर्गत आती है। ग्रामीणों का कहना है कि गड्ढे के कारण कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। ग्रामीण विष्णु ने बताया कि सड़क पर बने इस गड्ढे से दुर्घटना का खतरा बना हुआ है और राहगीरों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं तरौली निवासी कृष्णा ने बताया कि गड्ढा सड़क के ठीक बीच में होने के कारण वाहन चालकों को आवागमन में दिक्कत हो रही है। ग्रामीण रवि का कहना है कि ऐसा लगता है जैसे पीडब्ल्यूडी विभाग किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा हो। उनका कहना है कि देर–सबेर यहां किसी राहगीर के साथ दुर्घटना हो सकती है। ग्रामीणों का यह भी आरोप है कि संबंधित अधिकारियों को कई बार फोन करने के बावजूद कोई जवाब नहीं मिलता। वहीं गड्ढे के आसपास किसी भी प्रकार की चेतावनी के लिए कौशन टेप, रेडियम या रिफ्लेक्टर भी नहीं लगाए गए हैं, जिससे हादसे का खतरा और अधिक बढ़ गया है। ग्रामीणों ने विभाग से मांग की है कि जल्द से जल्द सड़क की मरम्मत कर गड्ढे को भरवाया जाए, ताकि किसी संभावित हादसे को रोका जा सके।

सांखी में विद्यालय के पास सड़क पर स्पीड ब्रेकर बनवाने की मांग

यूनिक समय, छाता (मथुरा)। छाता–गोवर्धन रोड पर आए दिन तेज वाहनों के कारण दुर्घटना हो रही है। दुर्घटनाओं से निजात पाने के लिए ग्राम सांखी के ग्रामीणों ने गांव पर स्पीड ब्रेकर लगवाने की मांग की है। गांव सांखी के ग्रामीण उपजिलाधिकारी कार्यालय छाता पहुंचे, जिन्होंने लिखित प्रार्थना पत्र देकर गांव पर स्पीड ब्रेकर लगवाने की मांग की है। ग्रामीणों ने बताया कि छाता गोवर्धन रोड पर वाहनों का दबाव बढ़ गया है। तेज रफ्तार वाहनों के कारण आए दिन गांव पर प्रतिदिन कोई ना कोई घटनाएं होती रहती हैं। जिस पर अंकुश लगाना बहुत जरूरी है। यदि इस रोड पर स्पीड ब्रेकर लगवा दिया जाए तो कुछ हद तक दुर्घटनाएं रोकी जा सकती हैं। ग्रामीण हरिओम ने बताया कि मार्ग पर स्पीड ब्रेकर न होने से ग्रामीण परेशान हैं। इस मौके पर रमेश चंद, प्रेमपाल, गंगा श्याम, रामवीर ,नेतराम, जयनारायण, जयपाल, रामवीर, सुरेश, तेजपाल, कुमारपाल ,बच्चू, पप्पू,भोला, नाथौल राजू, बनवारी आदि लोग मौजूद थे।

डिजिटल इंडिया के लिए लोगों को जागरूक किया

यूनिक समय, छाता (मथुरा)। गांधी इंटर कॉलेज राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के विशेष शिविर के द्वितीय दिन गांव रनवारी में डिजिटल इंडिया के लिए लोगों को जागरूक किया गया। गांव के प्राथमिक विद्यालय पर प्रधानाचार्य बीके सारस्वत एवं कार्यक्रम अधिकारी दीनानाथ शर्मा के नेतृत्व में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई का सात दिवसीय आवासीय शिविर चलाया जा रहा है।

शिविर के दूसरे दिन स्वयंसेवकों ने पी टी की। बौद्धिक चर्चा हुई और डिजिटल इंडिया के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई, क्योंकि आधुनिक युग कंप्यूटर का युग है, पिछले समय की अपेक्षा अब कंप्यूटर के द्वारा ऑनलाइन रुपए निकालना, जमा करना, एटीएम, पेटीएम की सेवाएं सरकार द्वारा जनता को दी जा रही है।

मथुरा पुलिस की ताबड़तोड़ कार्रवाई

जुआ–शराब और मादक पदार्थों पर कसा शिकंजा

पुलिस की गिरफ्त में गांजा तस्कर।

यूनिक समय, मथुरा। जनपद में कानून व्यवस्था बनाए रखने और अपराध पर नियंत्रण के लिए मथुरा पुलिस लगातार अभियान चला रही है। पुलिस द्वारा जारी विवरण के अनुसार बीते 24 घंटों के दौरान जिले में जुआ, अवैध शराब, मादक पदार्थ और अवैध शस्त्र के खिलाफ व्यापक कार्रवाई की गई। साथ ही यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों पर भी सख्ती दिखाई गई। पुलिस की कार्रवाई के तहत जुआ खेलने वालों के खिलाफ एक अभियान चलाया गया, जिसमें एक अभियोग पंजीकृत कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया। मौके से 2110 रुपये की नकदी बरामद की गई। इसी क्रम में अवैध शस्त्र रखने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई करते हुए दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया।

24 घंटे में कई अभियुक्त गिरफ्तार, यातायात नियम तोड़ने वालों पर भी कार्रवाई

उनके पास से दो अवैध चाकू और दो कारतूस बरामद किए गए। इसके अलावा अवैध शराब के खिलाफ अभियान में तीन अभियोग दर्ज कर तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने उनके कब्जे से 65 पव्वा अवैध शराब बरामद की।

मादक पदार्थों के खिलाफ कार्रवाई में भी पुलिस ने एक मामला दर्ज कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया, जिनके पास से करीब 29.760 ग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ। यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए भी पुलिस ने विशेष अभियान चलाया। इस दौरान 1688 वाहनों का चालान करते हुए लगभग 4.11 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। इसके अतिरिक्त पुलिस ने विभिन्न मामलों में कई वांछित और वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार किया तथा शांति व्यवस्था भंग करने की आशंका में भी कई लोगों के खिलाफ कार्रवाई की। मथुरा पुलिस का कहना है कि जिले में अपराध नियंत्रण और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए ऐसे अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे।

मथुरा जंक्शन पर 11 किलो गांजे के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा जंक्शन थाना जीआरपी और आरपीएफ की संयुक्त टीम ने अवैध गांजा तस्करी करने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह का पर्दाफाश करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। आरोपियों के कब्जे से कुल 11.314 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद किया। इसकी कीमत करीब 2.25 लाख रुपये बताई गई है। अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में जीआरपी थाने के उप निरीक्षक ललित कुमार, आशुतोष सिंह, सुजीत सिंह चंदेल आरपीएफ ने आदि ने सघन चेकिंग अभियान के दौरान आज पूर्वाह्न करीब 11:15 बजे रेलवे स्टेशन मथुरा जंक्शन के गेट नंबर–3 के पास ब्रिज के नीचे से दो संदिग्ध युवकों को पकड़ा। तलाशी लेने पर उनके कब्जे से 11.314 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ। गिरफ्तार आरोपियों ने अपने नाम धर्मेंद्र चौधरी, निवासी बकसी थाना सतवारी जिला जम्मू–कश्मीर तथा बन्टी कुमार निवासी नई बस्ती थाना सतवारी जिला जम्मू बताए। पुलिस के अनुसार धर्मेंद्र के पास से 7.145 किलोग्राम और बन्टी कुमार के पास से 4.169 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे एक राज्य से दूसरे राज्य में गांजे की तस्करी कर उसे बेचते थे और इसी से अपनी जरूरतें पूरी करते थे।

बरामद गांजे की कीमत करीब 2.25 लाख रुपये

माता रानी की नई प्रतिमा को लेकर निकाली कलश यात्रा

ग्राम भदावन में निकाली कलश यात्रा में शामिल महिला और पुरुष।
संवाददाता

यूनिक समय, छाता (मथुरा)। पिछले दिनों ग्राम भदावल में आसामाजिक तत्वों द्वारा पथवारी मैया की प्रतिमा को खंडित कर दिया था। आज ग्राम के लोगों ने स्वेच्छा से चंदा एकत्रित कर माता की प्राण प्रतिष्ठा कर मूर्ति स्थापित करने का निर्णय लिया। माता रानी की खंडित प्रतिमा को लेकर सभी गांव वासी रोष में थे कि अब नवरात्रि आ रही है पूजा कैसे होगी, पर माता की असीम कृपा से आज गांव वासियों में खुशी की लहर है। मूर्ति स्थापना हो रही है। शुक्रवार को 51 कलशों के साथ गांव के लोगों ने माता रानी की प्रतिमा को नाचते गाते हुए पूरे गांव में गंगाजल छिड़ककर रास्तों को पवित्र करते हुए नई प्रतिमा को माता रानी के मठ ले गए। अब माता रानी की वेदों के अनुसार प्राण प्रतिष्ठा की। पांच दिन तक चलने वाले आयोजन में प्रतिदिन हवन पूजन कीर्तन इत्यादि का आयोजन किया जाएगा।

उसके बाद माता का जगराता कर 17 मार्च को सभी गांव वालों और भक्तजनों को भंडारा भोजन प्रसाद कराकर माता की प्रतिमा को मंदिर में विराजमान करा दिया जाएगा। माता रानी की पूजा अर्चना में कुंज बिहारी पांडे को पुजारी चुना।

वीआईपी भ्रमण को लेकर पुलिस अधिकारियों ने किया निरीक्षण

गोवर्धन में भ्रमण करती पुलिस।

यूनिक समय, गोवर्धन (मथुरा)। वीआईपी भ्रमण में सुरक्षा को मजबूत बनाने के लिए पुलिस अधिकारियों ने निरीक्षण किया।

वीआईपी कार्यक्रम को लेकर पुलिस अलर्ट हो गई। देर शाम एसपी ग्रामीण सुरेश चंद्र रावत ने पेठा हेलीपैड स्थल का निरीक्षण किया। थाना गोवर्धन पर नियुक्त निरीक्षक व उप निरीक्षक के कार्यों की भी समीक्षा की गई, और निर्देशित किया गया कि वांटेड क्रिमिनल की गिरफ्तारी के लिए सघन रेड की कार्रवाई की जाए, लंबित विवेचनाओं के सात दिवस में निस्तारण के निर्देश दिए। कस्बा में पुलिस बल के साथ पैदल गश्त करके श्रद्धालुओं और व्यापारियों से वार्ता की गई। इस मौके पर क्षेत्राधिकारी अनिल कुमार, थाना प्रभारी निरीक्षक भागवत गुर्जर भारी संख्या में पुलिस फोर्स मौजूद था।

बैंकिंग एवं साइबर सुरक्षा के बारे में लोगों को समझाया

यूनिक समय, मथुरा। समाज कल्याण विभाग द्वारा अनुदानित आवासीय वृद्धा आश्रम, डेहरूआ फाटक पास, लक्ष्मी नगर में अटल अभ्युदय योजनान्तर्गत बैंकिंग एवं साइबर सिक्योरिटी से संबंधित शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वित्तीय साक्षरता केंद्र के डिस्ट्रिक्ट इंचार्ज अमित चतुर्वेदी ने वरिष्ठ नागरिकों को साइबर फ्रॉड के विभिन्न तरीके व उनसे बचाव के बारे में अवगत कराया। 1930 साइबर हेल्प लाइन नंबर व साइबर क्राइम वेबसाइट के महत्व की जानकारी दी। अग्रणी जिला प्रबंधक रविंद्र सिन्हा ने खाते नॉमिनी बनाने के लाभ की विस्तृत जानकारी वृद्धों को प्रदान की। शिविर में वृद्धाआश्रम एवं आस–पास के क्षेत्रों से लगभग 100 लोगों द्वारा शिविर में प्रतिभाग किया गया। शिविर में कार्यालय जिला समाज कल्याण के कनिष्ठ सहायक अधिकारी शुभम आदि उपस्थित थे।

विप्र स्वाभिमान सम्मेलन के लिए सभी नेताओं को आने का निमंत्रण

यूनिक समय, मथुरा। मार्च को होने वाला विप्र स्वाभिमान सम्मेलन चर्चाओं का विषय बना। लखनऊ में पहुंचकर आयोजकों ने नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडे एवं लिट्टी चोखा पार्टी में शामिल रहे 38 विधायकों में से 28 विधायकों को लखनऊ सचिवालय, विधानसभा पहुंचकर उनके कार्यालय पर निमंत्रण पत्र दिए और कार्यक्रम में आने का अनुरोध किया। ब्रज प्रदेश के वयोवृद्ध विप्र नेता पंडित बिहारी लाल वशिष्ठ ने कहा कि हम विप्रो के हितों की रक्षार्थ प्रदेश के सभी राजनीतिक दलों के नेताओं को आमंत्रित कर रहे हैं?। हमारा किसी से विरोधाभास नहीं है हम अपने स्वाभिमान के लिए आवाज उठा रहे हैं जो हमारा समर्थन है वही हमारा है। तीन दिवसीय प्रदेश का दौरा कर लौटे ब्रज प्रदेश महामंत्री राजेश पाठक, महेश चंद्र शर्मा गोल्डी, गौरी शंकर गोस्वामी, मुख्य संयोजक बालकिशन दीक्षित, आशीष चतुर्वेदी, कार्यक्रम अध्यक्ष सत्य प्रकाश शर्मा ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि हमने कांग्रेस लीडर प्रमोद तिवारी, भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष, कलराज मिश्र, ऊर्जा एवं शहरी विकास मंत्री एके शर्मा से मुलाकात की एवं कार्यक्रम में आने का अनुरोध किया है। संपूर्ण ब्रजमंडल में 16 मार्च से सजग जनसंपर्क अभियान चलाकर ग्रामीण अंचल में सम्मेलन का प्रचार प्रसार किया जाएगा। आयोजन स्थल पर पूर्ण व्यवस्था की गई है।

मथुरा–वृन्दावन विकास प्राधिकरण
राजकीय संग्रहालय, डैम्पीयर नगर, मथुरा।

सार्वजनिक सूचना

मथुरा–वृन्दावन विकास प्राधिकरण के विकास क्षेत्र के अन्तर्गत श्री चंचल बंसल पत्नी श्री अनुराग बंसल द्वारा खसरा संख्या–941/2, मौजा–कोटवन, तहसील–छाता, जिला–मथुरा के कुल क्षेत्रफल 1452.92 वर्ग मीटर भूमि पर हॉटल बिल्डिंग के निर्माण हेतु वाद पत्रावली संख्या 299/2014–25 की स्वीकृति हेतु शमन मानचित्र प्रस्तुत किया गया है। भूखण्ड के सम्मुख मार्ग की चौड़ाई महायोजना–2031 (पुनरीक्षित) के अनुसार 64.00 मीटर दर्शित है। मार्गाधिकार सुरक्षित रखने के पश्चात अवशेष भूमि का भू–उपयोग वृहद उद्योग दर्शित है। मथुरा–वृन्दावन भवन निर्माण एवं विकास उपविधि तथा माडल जोनिंग रेगूलेशन–2025 के प्रस्तर 2.5 के अनुसार वृहद उद्योग भू–उपयोग के अन्तर्गत हॉटल बिल्डिंग के निर्माण की स्वीकृति 09.00 मीटर चौडे मार्ग पर सामान्य: अनुमन्य है। शासनादेश संख्या आई/1130634/2025–8–3099/406/2023 पार्ट–1 आवास एवं शहरी नियोजन अनुभाग–3 दिनांक 04.11.2025 के अनुसार प्रमुख भू–उपयोग जोन के अन्तर्गत पूर्व विकसित योजनाओं/क्षेत्रों में मूल उपयोग से इतर क्रिया/उपयोग अनुमन्य किये जाने हेतु पन्द्रह दिवस (15 दिन) की समयावधि प्रदान करते हुए जनता से आपत्ति /सुझाव उचित माध्यम से आमंत्रित किये जाने का प्राविधान है तथा प्राप्त आपत्ति/सुझाव के निस्तारण के उपरान्त ही मानचित्र की स्वीकृति / अस्वीकृति की कार्यवाही की जायेगी। आम जनता से अपेक्षा की जाती है कि उक्त मानचित्र के सम्बन्ध में यदि कोई आपत्ति /सुझाव हो तो कृपया सूचना प्रकाशन की तिथि से पन्द्रह दिवस (15 दिन) के अन्दर अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय मथुरा–वृन्दावन विकास प्राधिकरण, राजकीय संग्रहालय, डैम्पीयर नगर, मथुरा में उपलब्ध करा दें। निर्धारित अवधि के उपरान्त प्राप्त आपत्ति / सुझावों पर विचार किया जाना सम्भव नहीं हो सकेगा। प्रश्नगत प्रकरण में प्राप्त आपत्ति/सुझाव की सुनवाई दिनांक 15/04/26 समय 12:00 बजे अधोहस्ताक्षरी के समक्ष प्राधिकरण कार्यालय में की जायेगी। यदि आपत्तिकर्ता उक्त दिनांक को अधोहस्ताक्षरी के समक्ष उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत नहीं करता है तो प्राप्त आपत्ति निरस्त मानी जायेगी। **सचिव**
म०वृ०वि०प्रा०, मथुरा।

उत्तराखंड शैक्षिक भ्रमण पर रवाना हुई फरह की छात्राएं

शैक्षिक भ्रमण पर गई छात्राएं।

यूनिक समय, मथुरा। पीएम श्री पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय कन्या इंटर कॉलेज, फरह की छात्राएं 13 से 18 मार्च तक उत्तराखंड के शैक्षिक एवं सांस्कृतिक भ्रमण पर जाएंगी। इस भ्रमण को लेकर छात्राओं में काफी उत्साह देखा जा रहा है। विद्यालय की 45 छात्राओं और शिक्षकों का एक दल इस छह दिवसीय अध्ययन यात्रा में भाग लेगा, जहां उन्हें शिक्षा, विज्ञान, पर्यावरण और भारतीय संस्कृति से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त होंगी। भ्रमण कार्यक्रम के अंतर्गत छात्राएं देहरादून स्थित वन अनुसंधान संस्थान का दौरा करेंगी। यहां वे वानिकी, जैव विविधता और पर्यावरण संरक्षण से जुड़े आधुनिक शोध कार्यों को करीब से समझेंगी। संस्थान के संग्रहालयों और ऐतिहासिक भवनों के माध्यम से उन्हें भारत की प्राकृतिक संपदा और वन प्रबंधन की जानकारी भी दी जाएगी। इसके बाद दल भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की पहुंचेगा, जहां छात्राओं को इंजीनियरिंग और तकनीकी क्षेत्र में हो रहे नए शोध और नवाचारों से परिचित कराया जाएगा। इस दौरान विशेषज्ञों द्वारा छात्राओं को विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में करियर की संभावनाओं के बारे में भी बताया जाएगा। शैक्षिक भ्रमण के साथ–साथ छात्राओं को आध्यात्मिक और सांस्कृतिक अनुभव भी कराया जाएगा। यात्रा के दौरान वे हरिद्वार स्थित पतंजलि योगपीठ का भ्रमण करेंगी, जहां योग और आयुर्वेद की पारंपरिक एवं आधुनिक पद्धतियों की जानकारी प्राप्त करेंगी। इसके अलावा छात्राएं हरिद्वार की विश्व प्रसिद्ध गंगा आरती में शामिल होकर भारतीय संस्कृति और अध्यात्म का अनुभव करेंगी। प्रधानाचार्य ने बताया कि पीएम श्री योजना के अंतर्गत आयोजित इस शैक्षिक भ्रमण का उद्देश्य छात्राओं के सर्वांगीण विकास को बढ़ावा देना है। ऐसे कार्यक्रमों से छात्राओं में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित होता है और उन्हें भविष्य में नए करियर विकल्प चुनने की प्रेरणा मिलती है।

जयकारे के साथ खींचा ठाकुर गोदा रंगमन्नार का रथ

वृंदावन में निकाले रथ मेला के तहत रथ में विराजमान ठाकुर गोदा रंगमन्नार के दर्शन करते श्रद्धालु।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। दक्षिण भारतीय शैली के प्रसिद्ध रंगनाथ मंदिर की रथ यात्रा में शामिल होने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उमड़ पड़े। रंगनाथ मंदिर के दस दिवसीय ब्रह्मोत्सव के तहत ठाकुर गोदा रंगमन्नार के विराजमान 60 फुट उंचे विशाल रथ को खींचने के लिए श्रद्धालुओं के हाथ आगे बढ़ते चले गए। यूपी समेत राजस्थान, दिल्ली, मध्य प्रदेश वह अन्य जगहों से श्रद्धालु रथयात्रा में शामिल होने पहुंचे। सुबह करीब साढ़े 4 बजे भगवान रंगनाथ और माता गोदा जी का आकर्षक श्रृंगार किया। इसके बाद सोने से बनी पालकी में विराजमान किया गया। गर्भगृह से भक्त पालकी को कंधों पर लेकर मंदिर भ्रमण कराते हुए निकले। करीब 5 बजे भगवान की सवारी रथ पर पहुंची, जहां शुभ मुहूर्त में भगवान को रथ पर विराजमान किया गया।

भगवान को रथ पर विराजमान करने के बाद मंदिर के पुरोहित विजय मिश्रा ने पूजन शुरू कराया। पूजन में यजमान मंदिर के सुपरवाइजर लखन पाठक बने। वैदिक मंत्रों के मध्य करीब 45 मिनट तक पूजन अर्चन किया गया। इसके बाद पैठे के फल की बलि दी गई। सुबह करीब साढ़े 6 बजे जैसे ही रथ को खींचने का मुहूर्त हुआ वैसे ही भक्तों में खींचने की होड़ मच गई। करीब 15 टन से ज्यादा वजन के रथ को खींचने के लिए काफी मोटी रस्सी बांधी गई। जिसे पकड़ कर रथ खींचने लगे और लगाने लगे भगवान रंगनाथ के जयकारे।

ठाकुर गोदा रंगमन्नार के रथ को खींचते श्रद्धालु।

व्याहुला महोत्सव में सजी हल्दी–मेहंदी की भक्तिमय रस्म

व्याहुला महोत्सव में मौजूद महिलाएं व पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। लायंस क्लब मथुरा स्टार्स द्वारा आयोजित व्याहुला महोत्सव के अंतर्गत हल्दी और मेहंदी की रस्म भक्तिमय वातावरण में संपन्न हुई। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण भांडीर वन से श्री भांडीर बिहारी व राधारानी का आगमन रहा। ठाकुर जी के पावन सानिध्य में पारंपरिक रीति–रिवाजों के साथ सभी मांगलिक रस्में संपन्न कराई गईं। कार्यक्रम में क्लब के सदस्यों ने श्रद्धा और उत्साह के साथ हल्दी, मेहंदी, भात, समधोरा और लगन की रस्में निभाईं। मधुर भजनों और कीर्तन की धुनों पर उपस्थित श्रद्धालु झूम उठे और पूरा माहौल भक्ति भाव से सराबोर हो गया। इस अवसर पर क्लब के सदस्य सपरिवार उपस्थित रहे और ठाकुर जी का आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम में अंकुर–रितु, अक्षय–रेखा, सागर–अंकिता, देवांशु–रूबल, राहुल–रश्मि, वीनित–आरती, दिलीप–दीपा, नितिन–शालू, नितिन–दीपिका, नितिन–खुशबू तथा अमित–शिखा सहित कई श्रद्धालु मौजूद रहे। अंत में सभी को आगामी मुख्य व्याहुला उत्सव में आमंत्रित किया गया।

बेरा गांव में छापेमारी, दवा–खाद्य पदार्थ के नमूने लिए

यूनिक समय, मथुरा। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि विभाग की संयुक्त टीम ने सुरीर क्षेत्र के बेरा गांव में छापेमारी कर दवा और खाद्य पदार्थों के चार नमूने लिए तथा प्रतिबंधित ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन की बोतलें बरामद कीं। मौके पर करीब नौ किलो भांग भी मिलने पर आबकारी विभाग ने भी कार्रवाई की। जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत मिली थी कि सुरीर के बेरा गांव स्थित सुमित प्रोवीजन स्टोर पर मिलावटी खाद्य पदार्थ और बिना लाइसेंस दवाइयों की बिक्री की जा रही है। साथ ही प्रतिबंधित ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन भी बेचे जा रहे हैं। शिकायत के आधार पर औषधि निरीक्षक प्रेम पाठक और खाद्य सुरक्षा अधिकारी अरुण कुमार ने पुलिस बल के साथ दुकान पर छापा मारा।

ऑक्सीटोसिन व भांग बरामद

छापेमारी के दौरान टीम को करीब तीन हजार रुपये की विभिन्न प्रकार की दवाएं और ऑक्सीटोसिन की 14 बोतलें मिलीं। इसके अलावा दवा और खाद्य पदार्थों के चार नमूने जांच के लिए लिए गए। जांच के दौरान यह भी पता चला कि दुकान पर मुनक्का युक्त भांग की गोलियां भी बेची जा रही थीं। इस पर जिला आबकारी अधिकारी उपेंद्र सिंह को सूचना दी गई। उनके निर्देश पर पहुंची आबकारी विभाग की टीम ने मौके से करीब आठ किलो भांग बरामद की। मामले में सुरीर थाने में तहरीर दी गई है और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

ब्राह्मण महासभा के होली मिलन समारोह में रसिया–भजनों की धूम

यूनिक समय, मथुरा। अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा के बैनर तले होली मिलन समारोह जनरल गंज स्थित बाड़ा बिहारी दास के प्रांगण में डॉ. सुरेन्द्र शर्मा की अध्यक्षता में हुआ। समारोह में होली के रसिया, भजन और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों पर लोग झूम उठे। समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि पूर्व विधायक हुकुम चंद तिवारी एवं ब्राह्मण सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जगदीश कौशिक ने किया। डॉ. सुरेन्द्र शर्मा ने कहा कि होली का पर्व समाज में आपसी प्रेम और मेलजोल बढ़ाने वाला है। नगर सहायक आयुक्त राकेश त्यागी ने भी इसे भाईचारे और सौहार्द का प्रतीक बताते हुए समाज में भेदभाव समाप्त करने पर जोर दिया। कवि डॉ. रमाशंकर पांडे और देवी प्रसाद गौड़ ने अपनी कविताओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया, युवा कवि विनीत गौतम ने भी रचनाएं प्रस्तुत कीं। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राघवेंद्र सिंह, सचिव मनोज शर्मा सहित पूरी कार्यकारिणी को सम्मानित किया। समारोह में एनके शर्मा, मोर मुकुट उपाध्याय, विशाल पाराशर, रमाकांत शर्मा, के.के. गौतम, तिलक शर्मा, भवानी गौतम, धर्मदत्त गौतम, नत्थीलाल, यज्ञदत्त शर्मा, पुष्पेंद्र शर्मा, शिव शर्मा, दिनेश गौतम, विनोद चूड़ामणि, कुशल पाल शर्मा, अशोक भारद्वाज तथा अजय शर्मा आदि उपस्थित थे। संचालन धर्मदत्त गौतम ने किया।

गिरिराज अभिषेक संग भव्य छप्पन भोग, गूंजे जयकारे

महोत्सव में उपस्थित पदाधिकारी जयकारे लगाते हुए।

यूनिक समय, गोवर्धन। गिलट आभूषण व्यवसायी समिति रजि के तत्वावधान में वार्षिक शैल महोत्सव (हण्डा) का आयोजन भागवत सेवा संस्थान कुसुम सरोवर में श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 9 बजे संत मोनी बाबा द्वारा गिरिराज जी का दूध, दही, बूरा और इत्र से अभिषेक कर की गई। इस दौरान गिरिराज महाराज के जयकारों से पूरा परिसर भक्तिमय हो उठा। इसके बाद ठाकुर जी को भव्य छप्पन भोग अर्पित किए गए, जिसकी झांकी देर शाम तक श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र रही और हजारों भक्तों ने दर्शन कर पुण्य लाभ प्राप्त किया। दोपहर 11 बजे से साधु–संत सेवा और ब्राह्मण भोज का आयोजन किया गया, जिसमें संतों को प्रसाद और दक्षिणा देकर सम्मानपूर्वक विदा किया गया। समिति के अध्यक्ष दिनेश अग्रवाल सादाबाद वालों ने बताया कि यह आयोजन पिछले 48 वर्षों से होली के बाद दशमी के दिन लगातार आयोजित किया जा रहा है। वहीं उपाध्यक्ष गुड्डू अग्रवाल ने बताया कि लगभग 5 टन प्रसाद घर–घर पहुंचाने का प्रयास किया गया। कार्यक्रम में अध्यक्ष दिनेश अग्रवाल, महामंत्री शंकर अग्रवाल, उपाध्यक्ष राहुल नक्षत्र, गुड्डू अग्रवाल, बालकिशन वबलू, ओमप्रकाश गोला, गौरव अग्रवाल, भाजपा मंडल अध्यक्ष गोवर्धन कान्हा शर्मा, संरक्षक राजकुमार अग्रवाल, सतीश मुनीम, महेश अग्रवाल, सहमंत्री सुरेन्द्र चौधरी, कोषाध्यक्ष अनिल कुमार गर्ग सहित बड़ी संख्या में समिति के पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित रहे।

गिलट आभूषण व्यवसायी समिति का शैल महोत्सव संपन्न

विश्व स्लीप डे पर विशेष

अच्छी नींद से ही स्वस्थ रहता है शरीर और दिमाग

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोग काम, मोबाइल और तनाव के कारण पर्याप्त नींद नहीं ले पा रहे हैं। इसी समस्या के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए हर साल मार्च के महीने में विश्व स्लीप डे मनाया जाता है। इस दिन लोगों को यह बताना है कि अच्छी और पूरी नींद स्वस्थ जीवन के लिए कितनी जरूरी है। डॉक्टरों के अनुसार अच्छी नींद लेने से दिमाग ठीक तरह से काम करता है और याददाश्त भी मजबूत रहती है। पर्याप्त नींद से तनाव और चिंता कम होती है। इसके साथ ही हृदय और शरीर स्वस्थ रहता है तथा शरीर की

डॉ. प्रिंस अग्रवाल

रोगों से लड़ने की क्षमता भी बढ़ती है। बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए भी अच्छी नींद बहुत जरूरी होती है। न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. प्रिंस अग्रवाल ने बताया कि अगर व्यक्ति रोज समय से सोता है और पूरी नींद लेता है तो उसका शरीर और दिमाग दोनों स्वस्थ रहते हैं। डॉ. अग्रवाल के अनुसार नींद की कमी से कई तरह की परेशानियां हो सकती हैं।

इसमें सिरदर्द, माइग्रेन, चिड़चिड़ापन और थकान जैसी समस्याएं आम हो जाती हैं। इसके अलावा ध्यान लगाने में परेशानी और याददाश्त कमजोर होने लगती है।

लगातार कम नींद लेने से हाई ब्लड प्रेशर और हृदय रोग का खतरा भी बढ़ सकता है। कई लोगों में यह समस्या आगे चलकर अवसाद और चिंता का कारण भी बन जाती है। उन्होंने कहा कि डॉक्टरों के अनुसार अच्छी नींद पाने के लिए कुछ आसान आदतें अपनाई जा सकती हैं। रोज एक ही समय पर सोने और उठने की आदत बनानी चाहिए। सोने से पहले मोबाइल, टीवी और अन्य स्क्रीन का उपयोग कम करना चाहिए। शाम के बाद चाय और कॉफी जैसे पेय पदार्थ कम लेना चाहिए। सोने का कमरा शांत और हल्का अंधेरा होना चाहिए। इसके अलावा रोज थोड़ा व्यायाम करना भी अच्छी नींद के लिए फायदेमंद माना जाता है। अगर किसी व्यक्ति को लंबे समय तक नींद नहीं आती है, सोते समय बहुत तेज खर्राटे आते हैं या सांस रुकने जैसी समस्या होती है, दिन में बहुत ज्यादा नींद आती है या नींद में चलने जैसी परेशानी होती है, तो तुरंत डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए।

विटामिन बी12 की कमी से हैं परेशान?

रोजाना पिएं ड्राई फ्रूट्स का पानी, मिलेंगे चौंकाने वाले फायदे

यूनिक समय, नई दिल्ली। विटामिन बी12 शरीर के लिए सबसे अहम पोषक तत्वों में से एक है। यह न केवल नर्वस सिस्टम को दुरुस्त रखता है, बल्कि डीएनए और रेड ब्लड सेल्स के निर्माण में भी अहम भूमिका निभाता है। इसकी कमी से थकान, कमजोरी, चिड़चिड़ापन और मांसपेशियों में दर्द जैसी समस्याएं सामने आने लगती हैं। लेकिन अब इस कमी को दूर करना बेहद आसान हो गया है।

न्यूट्रिशनिस्ट नमामी अग्रवाल के अनुसार, अगर आप शाकाहारी हैं और बी12 की कमी से जूझ रहे हैं, तो ड्राई फ्रूट्स का पानी एक असरदार उपाय बन सकता है।

एक्सपर्ट का मानना है कि कुछ खास ड्राई फ्रूटस को रातभर पानी में भिगोकर रखने और सुबह उस पानी को पीने से

शरीर को जरूरी पोषण मिल सकता है।

कैसे करें ड्राई फ्रूट्स का इस्तेमाल? इसके लिए बादाम, काजू, किशमिश, अखरोट और अंजीर को रातभर एक गिलास पानी में भिगोकर रखें। सुबह इन ड्राई फ्रूट्स को निकालकर उस पानी को छान लें और हल्का गुनगुना करके खाली पेट पिएं। बेहतर स्वाद के लिए इसमें एक चम्मच शहद मिलाया जा सकता है।

रोजाना सेवन के फायदे : शरीर में विटामिन बी12 का स्तर बेहतर होता है। दिनभर के लिए इंस्टेंट एनर्जी मिलती है। पाचन तंत्र मजबूत होता है और कब्ज जैसी समस्याएं दूर होती हैं। ड्राई फ्रूट्स में मौजूद ओमेगा–3 फैटी एसिड दिल को मजबूत बनाते हैं। त्वचा से जुड़ी समस्याएं जैसे दाग–धब्बे और रूखापन भी कम होता है। विशेषज्ञों का कहना है कि नियमित रूप से इस पानी का सेवन करने से न केवल विटामिन बी12 की कमी पूरी होती है, बल्कि शरीर को संपूर्ण पोषण भी मिलता है।

अगर आप भी बार–बार थकान, लो एनर्जी या मानसिक तनाव महसूस कर रहे हैं, तो यह घरेलू नुस्खा आपकी हेल्थ के लिए वरदान साबित हो सकता है। आज से ही इसे अपनी दिनचर्या में शामिल करें और फर्क खुद महसूस करें।

प्री–बुकिंग या होटल पहुंचकर रूम बुकिंग

सफर में कौन–सा तरीका है बेहतर?

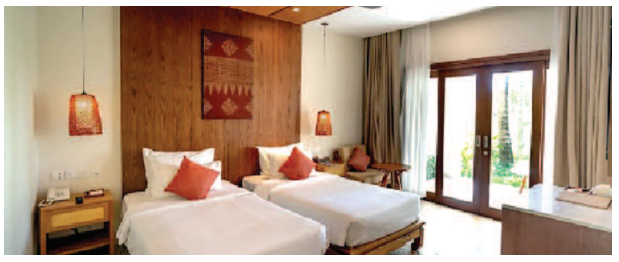

यूनिक समय, नई दिल्ली। अगर आप दो से तीन दिन के लिए घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो होटल बुकिंग को लेकर एक अहम सवाल खड़ा होता है–क्या रूम की प्री–बुकिंग करें या होटल पहुंचकर बुक करें? दोनों तरीकों के अपने फायदे और नुकसान हैं।

प्री–बुकिंग का सबसे बड़ा फायदा यह है कि यात्रा के बाद रूम ढूंढने की टेंशन नहीं होती। आप होटल की वेबसाइट, ट्रैवल एजेंसी या ऐप्स से पहले ही रूम बुक कर सकते हैं। इससे समय और मेहनत दोनों बचती हैं। साथ ही, कई बार प्री–बुकिंग पर अच्छे डिस्काउंट, ज्यादा ऑप्शन्स और बेहतर लोकेशन वाले रूम भी मिल जाते हैं। लेकिन ध्यान रहे, स्कैम या बुकिंग कंफर्मेशन में गड़बड़ी की संभावना रहती है। अगर यात्रा की योजना बदल जाए तो रिफंड में भी दिक्कत हो सकती है। वहीं, होटल पहुंचकर रूम बुक करने का फायदा यह है कि आप होटल की स्थिति और रूम देखकर ही फैसला कर सकते हैं। अगर यात्रा में कोई बदलाव हो, तो रिफंड की चिंता नहीं होती। खासकर ऑफ–सीजन में ये तरीका सुविधाजनक हो सकता है। लेकिन टूरिस्ट सीजन या वीकेंड पर मनचाहा रूम मिलना मुश्किल हो सकता है, और तब आपको ज्यादा कीमत चुकानी पड़ सकती है।

नतीजा: अगर यात्रा तय और समय सीमित है, तो प्री–बुकिंग बेहतर है। लेकिन अगर आपकी योजना लचीली है और आप एडवेंचर के मूड में हैं, तो होटल पहुंचकर रूम लेना भी सही विकल्प हो सकता है। ऑनलाइन बुकिंग करते समय होटल की रेटिंग, लोकेशन, सुविधाएं और कैंसलेशन पॉलिसी जरूर जांचें।

गर्मियों के मौसम में दही से जरूर बनाएं ये बेहद टेस्टी रेसिपी

एक बार खाकर नहीं भर पाएगा मन

यूनिक समय, मथुरा। गर्मियों के मौसम में अक्सर दही का सेवन करने की सलाह दी जाती है। अगर आपको भी दही खाना पसंद है, तो आपको दही तड़के की इस रेसिपी को कम से कम एक बार जरूर ट्राई करके देखना चाहिए। क्या आपने कभी दही तड़के की रेसिपी को ट्राई किया है? अगर नहीं, तो आपको इस स्वादिष्ट डिश को बनाने के बेहद आसान तरीके के बारे में जान लेना चाहिए। यकीन मानिए कि इस डिश का टेस्ट बच्चों से लेकर बड़ों तक, सभी को पसंद आएगा। दही से बनाई जाने वाली इस डिश को खाने के बाद आप भी अपनी उंगलियां चाटते रह जाएंगे। सबसे अच्छी बात तो ये है कि दही तड़का बनाने के लिए आपको ज्यादा समय भी नहीं लगेगा।

बनाने की विधि: दही तड़का बनाने के लिए सबसे पहले आपको एक कप दही निकालना है और फिर इसे अच्छी तरह से फेंट लेना है। अब आपको हल्दी, लाल मिर्च, पिंक सॉल्ट और धनिया पाउडर को इस एक कप फेंटे हुए दही के साथ मिक्स कर लेना है। इसके बाद एक पैन में थोड़ा सा तेल डालकर इसे गर्म कर लीजिए। अब गर्मागर्म तेल में जीरा, राई, सौंफ और करी पत्ता डालकर इन सभी चीजों को अच्छी तरह से भून लीजिए। इसके बाद आपको लहसुन और हरी मिर्च को कद्दूकस कर लेना है। अब कद्दूकस किए हुए लहसुन और हरी मिर्च को इस तड़के में डाल दीजिए।

तड़का लगाने के बाद आप इसमें दही के बैटर को एड कर अच्छी तरह से मिला लीजिए। इसके बाद थोड़ा सा पानी मिलाकर फिर से अच्छी तरह से मिक्स कर लीजिए। महज 10 मिनट तक इस मिक्सचर को कुक कीजिए और आपकी डिश सर्व करने के लिए तैयार है। आप दही तड़के को रोटी या फिर चावल के साथ परोस सकते हैं। आप इस डिश को बार–बार बनाना पसंद करेंगे क्योंकि आपको इस डिश को बनाने के लिए न तो ज्यादा फैंसी सामग्री की जरूरत पड़ेगी और न ही ज्यादा समय की बर्बादी होगी। लंच के लिए दही तड़के की रेसिपी एक परफेक्ट ऑप्शन साबित हो सकती है।

चिलिका झील प्रवासी पक्षियों और प्राकृतिक सौंदर्य का अनोखा स्वर्ग

नितेश खण्डेलवाल

यूनिक समय,नई दिल्ली। चिलिका झील का क्षेत्रफल लगभग 1,100 वर्ग किलोमीटर है और यह मरीन और ताजे पानी का अद्भुत मिश्रण है। यहाँ की जलवायु और पारिस्थितिकी तंत्र इसे विभिन्न प्रकार के पक्षियों, मछलियों और अन्य जल जीवों का आदर्श घर बनाते है। चिलिका झील, जो ओडिशा राज्य के पुरी, गंजम और खोरधा जिलों में फैली हुई है, भारत की सबसे बड़ी ताजे पानी की झील और एशिया की तीसरी सबसे बड़ी झील है। यह झील अपने प्राकृतिक सौंदर्य, विविध वन्यजीवों और पक्षी अभयारण्यों के लिए प्रसिद्ध है। चिलिका झील न केवल पर्यटकों के लिए एक आकर्षक स्थल है, बल्कि यह पर्यावरण और जैव विविधता के लिहाज से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह स्थल विशेष रूप से पक्षी प्रेमियों, प्रकृति प्रेमियों और पर्यावरण संरक्षण में रुचि रखने वाले लोगों के लिए आदर्श स्थल है।

चिलिका झील का क्षेत्रफल लगभग 1,100 वर्ग किलोमीटर है और यह मरीन और ताजे पानी का अद्भुत मिश्रण है। यहाँ की जलवायु और पारिस्थितिकी तंत्र इसे विभिन्न प्रकार के

पक्षियों, मछलियों और अन्य जल जीवों का आदर्श घर बनाती है। चिलिका को 'पक्षी अभयारण्य' के रूप में भी जाना जाता है, और यह स्थान दुनिया के विभिन्न हिस्सों से आने वाले प्रवासी पक्षियों के लिए एक प्रमुख ठिकाना बन चुका है।

पक्षी अभयारण्य: चिलिका झील एक प्रमुख पक्षी अभयारण्य है, जहां हर साल सर्दियों में लाखों प्रवासी पक्षी आते हैं। इनमें से कई पक्षी साइबेरिया, मंगोलिया, और अन्य दूर–दराज के क्षेत्रों से आते हैं। यहाँ का नालबाना क्षेत्र यूनेस्को द्वारा मान्यता प्राप्त पक्षी अभयारण्य है। सर्दियों के दौरान यहाँ विभिन्न प्रकार के जलपक्षी, जैसे कि बगुला, हंस, और पेट्रल्स देखे जा सकते हैं। यह स्थान पक्षी प्रेमियों के लिए स्वर्ग के समान है, जहां उन्हें असंख्य पक्षी प्रजातियों का अद्भुत दृश्य देखने को मिलता है।

बोटिंग और जल क्रीड़ा: चिलिका झील में बोटिंग का अनुभव भी बहुत लोकप्रिय है। पर्यटक झील में बोट की सवारी करके उसकी शांत सुंदरता का आनंद ले सकते हैं। बोटिंग के दौरान आप झील के बीच स्थित छोटे–छोटे द्वीपों को भी देख सकते हैं। इन द्वीपों पर स्थित किलों, मछली पकड़ने के गाँवों और प्राकृतिक सौंदर्य को देखना एक अद्वितीय अनुभव होता है। इसके अलावा, जल क्रीड़ा जैसे कयाकिंग और पेडल बोटिंग भी यहाँ की लोकप्रिय गतिविधियाँ हैं।

घटकई द्वीप : चिलिका झील में स्थित घटकई द्वीप एक प्रसिद्ध पर्यटक स्थल है। यह द्वीप अपनी प्राकृतिक सुंदरता और अद्वितीय शांति के लिए जाना जाता है। यहाँ के साफ पानी और हरियाली में पर्यटकों को एक अद्भुत अनुभव मिलता है। इस द्वीप पर आप हरे–भरे बागों और छोटे से बीच का आनंद ले सकते हैं।

सिंहगद द्वीप और अन्य द्वीप : चिलिका झील में कई अन्य छोटे द्वीप भी स्थित हैं, जिनमें से सिंहगद द्वीप बहुत प्रसिद्ध है। यहाँ पर्यटक बोटिंग का आनंद ले सकते हैं और स्थानीय मछुआरों के जीवन को करीब से देख सकते हैं। सिंहगद द्वीप पर स्थित मंदिर और किलों का ऐतिहासिक महत्व भी है, जो इस स्थान को और भी खास बनाता है।

चिलिका झील की जैव विविधता : चिलिका झील जैव विविधता का खजाना है। यहाँ कई प्रकार की मछलियाँ, जलजीव, और पक्षी रहते हैं।

इस झील में करीब 225 से अधिक पक्षियों की प्रजातियाँ पाई जाती हैं। इसके अलावा, यहाँ कई दुर्लभ मछलियाँ और समुद्री जीव भी निवास करते हैं। इस तरह, चिलिका झील न केवल पर्यटकों के लिए एक पर्यटन स्थल है, बल्कि यह पर्यावरणीय संरक्षण का भी महत्वपूर्ण केंद्र है।

यात्रा के लिए सबसे अच्छा समय : चिलिका झील की यात्रा के लिए सबसे अच्छा समय अक्टूबर से फरवरी तक है, जब सर्दियाँ होती हैं और पक्षियों की आमद शुरू होती है। इस दौरान झील में हजारों प्रवासी पक्षी आते हैं, जो इसे पक्षी प्रेमियों के लिए स्वर्ग बना देता है। गर्मियों में यहाँ का तापमान बढ़ सकता है, जिससे यात्रा में कुछ असुविधा हो सकती है। चिलिका झील न केवल ओडिशा बल्कि पूरे भारत का एक अद्भुत प्राकृतिक धरोहर स्थल है। यहाँ का शांत वातावरण, पक्षियों का अप्रतिम दृश्य, और प्राकृतिक सौंदर्य इसे पर्यटकों के लिए एक आकर्षक गंतव्य बनाता है। अगर आप प्रकृति प्रेमी हैं, तो चिलिका झील की यात्रा निश्चित रूप से एक अविस्मरणीय अनुभव होगा। यह स्थान हर साल लाखों पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है, और यह एक आदर्श स्थल है जहाँ आप प्रकृति की अद्भुत सुंदरता का आनंद ले सकते हैं।

सुविचार

जो गिरने से डरता है, वह चलना भी भूल जाता।

कल का पंचांग

तिथि	एकादशी	08:11-09:16 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	उत्तराषाढ़ा	03:03-04:49 तक	माह	चैत्र
सूर्योदय		06:40 AM	चन्द्रोदय	03:22 AM
सूर्यास्त		06:31 PM	चंद्रास्त	02:11 PM
सूर्य राशि		मीन राशि	चंद्र	मकर राशि
शुभ मुहूर्त		12:12PM -12:59 PM	ब्रहम् मुहूर्त	05:018-06:05
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2082
राहुकाल		09:38AM:11:07AM	वार	शनिवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

अपार्टमेंट का कौन-सा फ्लोर है सबसे लकी

किस फ्लोर पर रखना चाहिए अपना कीमती सामान

यूनिक समय, मथुरा। आज के दौर में जब लोग नया फ्लैट या अपार्टमेंट खरीदने की योजना बनाते हैं, तो वे केवल लोकेशन, बजट और सुविधाओं को ही नहीं देखते, बल्कि कई लोग वास्तु शास्त्र को भी विशेष महत्व देते हैं। वास्तु के अनुसार घर की दिशा, दरवाजे की स्थिति और कमरों की बनावट जितनी महत्वपूर्ण होती है, उतना ही महत्व इस बात का भी होता है कि आप किस मंजिल पर रहते हैं। माना जाता है कि अपार्टमेंट की मंजिल घर में आने वाली ऊर्जा को प्रभावित कर सकती है, जिससे परिवार के जीवन, स्वास्थ्य और आर्थिक स्थिति पर असर पड़ता है।वास्तु विशेषज्ञों के अनुसार हर मंजिल का संबंध प्रकृति के अलग-अलग तत्वों से माना जाता है। पृथ्वी, वायु और आकाश तत्वों का संतुलन घर के वातावरण और वहां रहने वाले लोगों की मानसिक स्थिति को प्रभावित करता है। यदि सही मंजिल का चयन किया जाए तो घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बना रहता है और परिवार में स्थिरता तथा सुख-समृद्धि बनी रहती है।

ग्राउंड फ्लोर: वास्तु शास्त्र के अनुसार ग्राउंड फ्लोर का संबंध पृथ्वी तत्व से माना जाता है। पृथ्वी तत्व स्थिरता, सुरक्षा और मजबूत आधार का प्रतीक है। जमीन के करीब रहने से परिवार में आपसी जुड़ाव और स्थिरता बनी रहती है। जो लोग शांत और संतुलित जीवन पसंद करते हैं, उनके लिए ग्राउंड फ्लोर अच्छा विकल्प माना जाता है।

पहली से तीसरी मंजिल: पहली से तीसरी मंजिल तक के फ्लोर को भी काफी अनुकूल माना जाता है। इन मंजिलों पर पृथ्वी और वायु तत्व का संतुलन बना रहता है, जिससे घर का वातावरण सकारात्मक रहता है। ऐसे फ्लोर पर रहने से परिवार में व्यावहारिक सोच, सुरक्षा और मानसिक संतुलन बना रहता है।

चौथी से छठी मंजिल: वास्तु के अनुसार चौथी से छठी मंजिल तक के फ्लोर को संतुलित ऊर्जा वाली मंजिल माना जाता है। यहां शोर और प्रदूषण अपेक्षाकृत कम होता है, जिससे घर का वातावरण शांत रहता है। माना जाता है कि इन मंजिलों पर रहने से मानसिक स्पष्टता और भावनात्मक संतुलन बेहतर बना रहता है।

ऊंची मंजिल और पेंट हाउस: ऊंची मंजिलों और पेंटहाउस का संबंध वायु तत्व से जोड़ा जाता है। वायु तत्व स्वतंत्रता, खुलापन और रचनात्मक सोच का प्रतीक होता है। ऐसे फ्लोर पर रहने से खुला वातावरण और बेहतर दृश्य मिलता है। हालांकि जमीन से दूरी अधिक होने के कारण कभी-कभी स्थिरता की कमी महसूस हो सकती है। इसलिए यह फ्लोर उन लोगों के लिए अधिक उपयुक्त माने जाते हैं जो रचनात्मक क्षेत्रों में काम करते हैं।

कीमती सामान कहां रखें?

वास्तु के अनुसार घर में कीमती सामान, तिजोरी या महत्वपूर्ण दस्तावेज रखने के लिए दक्षिण-पश्चिम दिशा सबसे उपयुक्त मानी जाती है। इससे धन और संपत्ति की सुरक्षा बनी रहती है और आर्थिक स्थिरता का योग भी मजबूत होता है।

व्रत–त्योहार का कैलेंडर 2026

- 15 मार्च, दिन रविवार: पापमोचनी एकादशी
- 16 मार्च, दिन सोमवार: सोम प्रदोष व्रत
- 17 मार्च, दिन मंगलवार: चैत्र मासिक शिवरात्रि
- 19 मार्च, दिन बृहस्पतिवार: चैत्र अमावस्या, चैत्र नवरात्रि प्रारंभ
- 22 मार्च, दिन रविवार: वासुदेव चतुर्थी
- 26 मार्च, दिन गुरुवार: राम नवमी
- 29 मार्च, दिन रविवार: कामदा एकादशी
- 30 मार्च, दिन सोमवार: सोम प्रदोष व्रत

कल का राशिफल

ज्योतिष के अनुसार सभी 12 राशियों के लिए अलग-अलग प्रभाव लेकर आएगा। कुछ राशियों के लिए यह दिन तरक्की और खुशी का संकेत दे रहा है, तो कुछ को स्वास्थ्य, खर्च और रिश्तों को लेकर सतर्क रहने की सलाह दी गई है। आइए जानते हैं कि शनिवार का यह दिन आपकी राशि के लिए क्या संकेत दे रहा है।

मेष राशि के जातकों को अधिक मेहनत के बाद भी अपेक्षित सफलता मिलने में कठिनाई हो सकती है। पुराने विवाद परिवार के माहौल को प्रभावित कर सकते हैं, इसलिए संयम बनाए रखना जरूरी होगा।

वृषभ राशि वालों को स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही भारी पड़ सकती है। समय पर इलाज न कराने से परेशानी बढ़ सकती है। कार्यक्षेत्र में भी मेहनत के बावजूद काम समय पर पूरे नहीं हो पाएंगे।

मिथुन राशि के जातकों को लोगों पर आंख बंद करके भरोसा करने से बचना चाहिए। इससे नुकसान हो सकता है। हालांकि परिवार में माहौल बेहतर रहेगा और रिश्तों में नजदीकियां बढ़ेंगी।

कर्क राशि वालों को विवादों से दूर रहने की सलाह दी गई है, क्योंकि इससे आपकी छवि प्रभावित हो सकती है। दिन के अंत तक सेहत भी थोड़ी कमजोर रह सकती है।

सिंह राशि के लिए यह दिन सावधानी का संकेत दे रहा है। अपनों की सलाह को नजरअंदाज करना नुकसानदायक हो सकता है और किसी परेशानी में फंसने की आशंका भी बनी रहेगी।

कन्या राशि के लोगों के घर में कोई शुभ कार्य होने की संभावना है, जिससे खुशी का माहौल रहेगा। पुराने मित्रों और रिश्तेदारों से मुलाकात भी हो सकती है, हालांकि खर्च बढ़ने के संकेत हैं।

तुला राशि के जातकों के लिए कार्यक्षेत्र में दिन अनुकूल रहेगा। अधिकारियों के साथ तालमेल बनाकर चलने से लाभ मिलेगा और नए काम की शुरुआत के लिए भी समय अच्छा है।

वृश्चिक राशि वालों को पुराने रोग परेशान कर सकते हैं और खर्च बढ़ने से आर्थिक दबाव महसूस हो सकता है। पिता के साथ संबंधों में भी तनाव की स्थिति बन सकती है।

धनु राशि के जातकों के लिए यह दिन आनंददायक रह सकता है। खरीदारी या घूमने-फिरने के योग बन रहे हैं और मन प्रसन्न रहेगा।

मकर राशि वालों को आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ सकता है। परिवार या जीवनसाथी के साथ मतभेद होने की भी संभावना है।

कुंभ राशि के लोगों को दिन की शुरुआत में सतर्क रहने की जरूरत है। कोई व्यक्ति आपको नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर सकता है और शारीरिक दर्द भी परेशान कर सकता है।

मीन राशि के जातकों को आलस्य से बचना चाहिए, वरना काम अधूरे रह सकते हैं। हालांकि व्यापार या आय में बढ़ोतरी की संभावना भी दिखाई दे रही है।

साबुत चावल का चमत्कार, जगाए किस्मत

यूनिक समय, मथुरा। हिंदू धर्म में चावल (अक्षत) को अत्यंत पवित्र माना गया है। पूजा-पाठ से लेकर ज्योतिषीय उपायों तक, चावल का उपयोग न सिर्फ धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है बल्कि यह आपकी किस्मत बदलने की ताकत भी रखता है। यदि आर्थिक तंगी, कार्य में रुकावट या मनचाही सफलता नहीं मिल रही है, तो चावल से जुड़े ये उपाय जरूर आजमाएं।

सूर्य देव को अर्पण करें चावल: सप्ताह के किसी भी दिन सुबह स्नान के बाद तांबे के लोटे में जल, रोली और साबुत चावल डालकर सूर्य को अर्घ्य दें। साथ ही "ॐ सूर्याय नमः" मंत्र का जाप करें। यह उपाय आपके सोए हुए भाग्य को जगा सकता है और धन संबंधी परेशानियों को दूर करता है।

पूर्णिमा का विशेष उपाय: पूर्णिमा के दिन 21 साबुत चावल के दाने लाल रेशमी कपड़े में बांधकर मां लक्ष्मी के सामने रखें और विधिपूर्वक पूजा करें। इस पोटली को पूजा के बाद घर के धन स्थान (जहां पैसे या तिजोरी रखी जाती है) में रखें। इससे घर में समृद्धि और लक्ष्मी का वास होता है।

शिवलिंग पर चढ़ाएं चावल: यदि मेहनत के बावजूद धन की कमी बनी हुई है तो लगातार पाँच सोमवार शिव मंदिर में जाकर शिवलिंग पर चावल अर्पित करें। "ॐ नमः शिवाय" मंत्र का जाप करें और बचे हुए चावल जरूरतमंदों को दान करें। यह उपाय आर्थिक स्थिति में सुधार लाने वाला माना जाता है। ये उपाय सरल हैं, लेकिन श्रद्धा और नियमितता से करें, लाभ अवश्य मिलेगा।

घर में सुख-शांति और समृद्धि के लिए लगाएं ये पेड़, दूर होंगे वास्तु दोष

यूनिक समय, मथुरा। घर में सुख-शांति, समृद्धि और सकारात्मक ऊर्जा बनाए रखने के लिए वास्तु शास्त्र में कई प्रभावी उपाय बताए गए हैं। इनमें पेड़-पौधों का विशेष महत्व माना जाता है। माना जाता है कि कुछ खास पेड़ न केवल पर्यावरण को शुद्ध करते हैं, बल्कि घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार भी करते हैं। यदि किसी घर में लगातार तनाव, आर्थिक परेशानी या स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं बनी रहती हैं, तो वास्तु के अनुसार सही दिशा में कुछ विशेष पेड़ लगाकर इन समस्याओं को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

अशोक का पेड़ : अशोक का पेड़ वास्तु

शास्त्र में अत्यंत शुभ माना गया है। इसे घर की उत्तर दिशा में लगाना लाभकारी बताया जाता है। यह पेड़ घर के वातावरण को शांत और सकारात्मक बनाता है। मान्यता है कि अशोक वृक्ष नकारात्मक ऊर्जा को दूर करता है और मानसिक तनाव को कम करने में भी सहायक होता है। इसके साथ ही यह घर की सुंदरता को भी बढ़ाता है और हरियाली का अहसास कराता है।

केले का पेड़ : केले का पेड़ धार्मिक दृष्टि से बेहद पवित्र माना जाता है। इसे घर की उत्तर-पूर्व दिशा में लगाना श्रेष्ठ माना गया है। कई धार्मिक अनुष्ठानों और पूजा-पाठ में भी केले के पेड़ का विशेष महत्व होता है। यदि केले के पेड़ के पास तुलसी का पौधा लगाया जाए तो घर में शुद्धता और सकारात्मकता बनी रहती है। मान्यता है कि इससे घर में माता लक्ष्मी का वास होता है और परिवार में सुख-समृद्धि आती है।

नारियल का पेड़ : नारियल का पेड़ घर की सीमा या आंगन के किनारे लगाना शुभ माना जाता है। यह पेड़ समृद्धि, सुरक्षा और सम्मान का प्रतीक माना जाता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार घर के आसपास नारियल का पेड़ होने से परिवार की प्रतिष्ठा बढ़ती है और आर्थिक स्थिति मजबूत होती है।

बरगद का पेड़ : बरगद का पेड़ दीर्घायु, स्थिरता और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। इसे घर की पूर्व दिशा में लगाना लाभकारी बताया गया है। हालांकि ध्यान रखना चाहिए कि इसकी छाया सीधे घर पर न पड़े, क्योंकि इससे वास्तु संतुलन प्रभावित हो सकता है।

आंवला का पेड़ : आंवले का पेड़ औषधीय गुणों से भरपूर होता है। इसे घर की सीमा पर लगाना शुभ माना जाता है। यह स्वास्थ्य के लिए लाभकारी होने के साथ-साथ घर के वातावरण को शुद्ध और सकारात्मक बनाता है।

वास्तु शास्त्र के अनुसार यदि इन पेड़ों को सही दिशा में लगाया जाए तो घर का वातावरण सुखद और ऊर्जावान बन सकता है। साथ ही परिवार में खुशहाली और समृद्धि का वातावरण भी बना रहता है।

सम्पादकीय

क्लिक में जवाब, सोच का पसीना हो रहा गायब

कभी पढ़ाई का मतलब होता था–कॉपी, पेन और माथे पर बल। गणित का सवाल अटक जाए तो आधा घंटा माथापच्ची, निबंध लिखना हो तो पहले सोचना, फिर लिखना और फिर टीचर की लाल स्याही से डरना। बच्चे गलती करते थे, डांट खाते थे और फिर धीरे–धीरे सीखते भी थे। मगर अब जमाना बदल गया है। अब पढ़ाई में मेहनत नहीं, इंटरनेट स्पीड ज्यादा मायने रखती है। आज का छात्र बड़ा "स्मार्ट" हो गया है। गणित का सवाल आया? तुरंत एआई से पूछ लिया। निबंध चाहिए? दो सेकंड में तैयार। पोस्टर बनाना है? ऑनलाइन टेम्पलेट मौजूद। यानी पढ़ाई भी अब "फास्ट–फूड" मॉडल पर आ गई है–जल्दी बनाओ, जल्दी खाओ और आगे बढ़ जाओ। फर्क बस इतना है कि यहां पेट नहीं, दिमाग भरना था, जो शायद आधा ही भर पा रहा है। तकनीक बुरी नहीं है। बल्कि सच तो यह है कि एआई ने काम आसान बना दिया है। जानकारी अब किताबों के ढेर में नहीं, मोबाइल की स्क्रीन पर मिल जाती है। लेकिन समस्या तब शुरू होती है, जब सुविधा धीरे–धीरे सोच की जगह लेने लगती है। आज कई बच्चे सवाल हल करने से ज्यादा जवाब कॉपी करने में माहिर हो गए हैं। मजेदार बात यह है कि अब मेहनत कम और "प्रेजेंटेशन" ज्यादा हो गया है। प्रोजेक्ट शानदार, डिजाइन आकर्षक, भाषा भी चमकदार–लेकिन अगर पूछा जाए कि यह सब समझा भी है या नहीं, तो अक्सर सन्नाटा मिल जाता है। जैसे किसी ने शानदार केक बना दिया हो, लेकिन उसे खाने वाले को पता ही न हो कि उसमें डाला क्या है।

पवन गौतम
संपादक

दिमाग भी शरीर की तरह है–उसे भी कसरत चाहिए। जब तक कठिन सवालों से जूझेंगे नहीं, तब तक सोचने की ताकत कैसे बढ़ेगी? लेकिन अगर हर मुश्किल का हल मशीन दे दे, तो दिमाग धीरे–धीरे आलसी हो ही जाएगा। और आलसी दिमाग अफवाहों, आधी जानकारी और भीड़ की मानसिकता का आसान शिकार बन जाता है। इसलिए असली चुनौती एआई से लड़ना नहीं, बल्कि उसके साथ संतुलन बनाना है। बच्चों को यह समझाना जरूरी है कि तकनीक मददगार है, मगर दिमाग का विकल्प नहीं। अगर आने वाली पीढ़ी को सच में मजबूत बनाना है, तो उसे थोड़ी मेहनत, थोड़ी गलती और थोड़ा संघर्ष भी झेलने देना होगा। वरना कहीं ऐसा न हो कि भविष्य की पीढ़ी के पास हर सवाल का जवाब हो, लेकिन सही सवाल पूछने का हुनर ही न बच पाए।

इस कॉलम को मोबाइल पर सुनने के लिए QR कोड को स्कैन करें।

नजरिया

मार्च में तपता आसमान, मौसम दे रहा कड़ी चेतावनी

धरती का बढ़ता तापमान,भविष्य का बड़ा संकट

बोध प्रकाश सगुणी

कभी मार्च का महीना मौसम के लिहाज से सबसे सुहावना माना जाता था। सर्दी धीरे–धीरे विदा लेती थी, हल्की धूप गुनगुनी लगती थी और खेतों में फसल पकने की खुशबू फैलने लगती थी। लोग कहते थे–"अब बसंत है, मौसम सबसे अच्छा है।" लेकिन अब हालात ऐसे हैं कि मार्च आते ही लगता है जैसे मई ने एडवांस बुकिंग कर ली हो। धूप का तेवर ऐसा कि पंखे और कूलर मार्च में ही अपनी ड्यूटी पर लौट आते हैं।

इस बार भी कुछ ऐसा ही हुआ। देश के कई हिस्सों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। मौसम विभाग ने बताया कि कई वर्षों बाद मार्च इतना गर्म दर्ज किया गया है। लेकिन समस्या सिर्फ इतनी नहीं है कि लोग जल्दी पसीना बहाने लगे हैं। असली चिंता यह है कि मौसम का स्वभाव ही बदलता जा रहा है। जो गर्मी पहले मई–जून में पड़ती थी, वह अब मार्च में ही दस्तक देने लगी है।

मौसम का यह बदला हुआ मिजाज सबसे पहले किसानों को परेशान करता है। भारत जैसे देश में खेती मौसम की लय पर टिकी होती है। मार्च का समय रबी की फसलों के लिए बेहद महत्वपूर्ण होता है। गेहूं, चना, सरसों और अन्य फसलें इसी समय पकने के अंतिम दौर में होती हैं। अगर अचानक तापमान बढ़ जाए तो फसल की गुणवत्ता और पैदावार दोनों प्रभावित हो जाती हैं। यानी खेत में खड़ी मेहनत पर मौसम की एक गर्म लहर भारी पड़ सकती है। लेकिन सवाल यह है कि आखिर मौसम इतना बदल क्यों रहा है? जवाब बहुत दूर नहीं है। दुनियाभर में औद्योगिक विकास, बढ़ती ऊर्जा खपत, वनों की कटाई और युद्ध जैसी गतिविधियों ने पृथ्वी के तापमान को लगातार बढ़ाया है। कार्बन उत्सर्जन की मात्रा कम होने के बजाय बढ़ती जा रही है। परिणाम यह है कि जलवायु का संतुलन बिगड़ने लगा है और मौसम का चक्र अस्थिर हो गया है।

विडंबना यह है कि जलवायु परिवर्तन पर वैश्विक स्तर पर खूब चर्चा होती है। बड़े–बड़े सम्मेलन होते हैं, घोषणाएं की जाती हैं और भविष्य के लिए लक्ष्य तय किए जाते हैं। लेकिन जब वास्तविक कदम उठाने की बात आती है तो अक्सर वही पुराना रवैया सामने आ जाता है–"अभी नहीं, बाद में देखेंगे।" मानो पृथ्वी का तापमान भी सरकारी फाइल की तरह धीरे–धीरे ही बढ़ेगा। हमारी जीवनशैली भी इस समस्या को बढ़ाने में कम जिम्मेदार नहीं है। शहरों में कंक्रीट के जंगल तेजी से फैल रहे हैं। पेड़ कम हो रहे हैं और सड़कों पर वाहन बढ़ते जा रहे हैं। परिणामस्वरूप शहरों में "हीट आइलैंड" प्रभाव बढ़ रहा है। यानी शहर अपने आसपास के ग्रामीण इलाकों की तुलना में ज्यादा गर्म हो जाते हैं। यह स्थिति न केवल पर्यावरण बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी खतरनाक है।

व्यंग्य की बात यह है कि हम मौसम को लेकर शिकायत तो बहुत करते हैं, लेकिन अपनी आदतें बदलने के लिए तैयार नहीं होते। गर्मी बढ़े तो एयर कंडीशनर की बिक्री बढ़ जाती है, बिजली की खपत बढ़ जाती है और फिर वही ऊर्जा उत्पादन पर्यावरण पर और दबाव डालता है। यानी समस्या का समाधान भी कभी–कभी उसी समस्या को और बढ़ा देता है।

असल में जलवायु परिवर्तन अब कोई दूर का वैज्ञानिक विषय नहीं रहा। यह हमारे रोजमर्रा के जीवन का हिस्सा बन चुका है। कभी असामान्य गर्मी, कभी अचानक भारी बारिश, कभी लंबा सूखा–ये सब उसी बदलाव के संकेत हैं। प्रकृति मानो लगातार हमें चेतावनी दे रही है कि अगर विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन नहीं बनाया गया तो भविष्य और कठिन हो सकता है। भारत जैसे देश के लिए यह चुनौती और भी गंभीर है। यहां बड़ी आबादी खेती, पानी और प्राकृतिक संसाधनों पर निर्भर है। मौसम में थोड़ा सा भी असंतुलन लाखों लोगों की आजीविका को

प्रभावित कर सकता है। इसलिए जलवायु परिवर्तन को केवल वैज्ञानिक रिपोर्ट या अंतरराष्ट्रीय समझौतों का विषय मानना पर्याप्त नहीं है। इसे विकास की मुख्य नीति का हिस्सा बनाना होगा। सरकारों को ऊर्जा के स्वच्छ स्रोतों को बढ़ावा देना होगा, वनों की रक्षा करनी होगी और शहरों की योजना इस तरह बनानी होगी कि हरित क्षेत्र सुरक्षित रहें। साथ ही आम नागरिकों को भी अपनी जीवनशैली में बदलाव लाना होगा–ऊर्जा की बचत, पेड़ लगाना और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी निभाना अब विकल्प नहीं बल्कि आवश्यकता बन चुका है।

मार्च की यह असामान्य गर्मी सिर्फ मौसम का एक छोटा सा उतार–चढ़ाव नहीं है। यह एक संकेत है–एक ऐसी चेतावनी, जिसे अनदेखा करना आसान तो है, लेकिन खतरनाक भी। प्रकृति धीरे–धीरे बता रही है कि संतुलन बिगड़ चुका है और अगर हमने समय रहते सुधार नहीं किया तो आने वाले वर्षों में यह असंतुलन और गंभीर रूप ले सकता है।

इसलिए जरूरत इस बात की है कि हम मौसम को केवल चर्चा का विषय न बनाएं, बल्कि उसकी चेतावनी को समझें। क्योंकि अगर प्रकृति बार–बार संकेत दे रही है, तो उसे सुन लेना ही समझदारी है। वरना कहीं ऐसा न हो कि भविष्य में मौसम की खबरें पढ़ते समय हमें यह एहसास हो कि चेतावनी तो बहुत पहले मिल गई थी, बस हमने उसे गंभीरता से लिया ही नहीं।

विचार विण्डो

गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी पर सख्त नियंत्रण जरूरी

राम कुमार शर्मा

घरेलू रसोई गैस आज हर परिवार की बुनियादी जरूरत बन चुकी है। ऐसे में गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी न केवल उपभोक्ताओं के लिए परेशानी का कारण बनती है, बल्कि यह प्रशासनिक व्यवस्था और बाजार की पारदर्शिता पर भी सवाल खड़े करती है। जब–जब आपूर्ति को लेकर आशंका या अफवाहें फैलती हैं, तब कुछ मुनाफाखोर तत्व स्थिति का फायदा उठाकर जमाखोरी और कालाबाजारी करने लगते हैं। इसका सीधा असर आम नागरिकों पर पड़ता है, जिन्हें जरूरत के समय सिलेंडर नहीं मिल पाता या फिर उन्हें अधिक कीमत चुकानी पड़ती है। हाल के समय में अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों और तेल–गैस आपूर्ति से जुड़ी चिंताओं के बीच यह आशंका और बढ़ जाती है कि कहीं गैस की कमी न हो जाए। ऐसी स्थिति में अफवाहों और गलत सूचनाओं के कारण लोग आवश्यकता से अधिक सिलेंडर जमा करने लगते हैं। इससे बाजार में कृत्रिम कमी पैदा हो जाती है और कालाबाजारी करने वालों को अवसर मिल जाता है। इसलिए सबसे पहले प्रशासन का दायित्व बनता है कि वह आपूर्ति और वितरण प्रणाली को पारदर्शी और मजबूत बनाए।

गैस गोदामों और डिस्ट्रीब्यूटर्स की नियमित निगरानी इस दिशा में एक अहम कदम हो सकता है। प्रशासन को चाहिए कि वह गैस एजेंसियों के स्टॉक और वितरण की रोजाना समीक्षा करे। इसके लिए एक प्रभावी कंट्रोल रूम स्थापित किया जा सकता है, जहां से जिलेभर में गैस की उपलब्धता और आपूर्ति की स्थिति पर नजर रखी जा सके। यदि किसी एजेंसी के पास निर्धारित सीमा से अधिक स्टॉक पाया जाता है या वितरण में अनियमितता मिलती है, तो तुरंत कार्रवाई होनी चाहिए।

तकनीकी निगरानी भी कालाबाजारी रोकने का एक प्रभावी तरीका साबित हो सकती है। आधुनिक डिजिटल प्रणाली के माध्यम से प्रत्येक सिलेंडर की ट्रैकिंग संभव है। यदि हर सिलेंडर पर क्यूआर कोड या अन्य डिजिटल पहचान प्रणाली लागू की जाए तो यह आसानी से पता लगाया जा सकेगा कि सिलेंडर किस एजेंसी से निकला और किस उपभोक्ता तक पहुंचा। इससे अवैध रिफिलिंग और गलत वितरण की संभावनाएं काफी हद तक कम हो सकती हैं।

एक अन्य बड़ी समस्या घरेलू गैस सिलेंडरों का व्यावसायिक उपयोग है। कई ढाबों, होटलों और छोटे व्यवसायों में घरेलू सिलेंडरों का इस्तेमाल किया जाता है, क्योंकि इनकी कीमत व्यावसायिक सिलेंडरों की तुलना में कम होती है। इससे घरेलू उपभोक्ताओं के हिस्से की गैस

बाजार में कम हो जाती है। प्रशासन को इस पर सख्ती से रोक लगाने के लिए नियमित छापेमारी और निगरानी अभियान चलाने चाहिए। दोषी पाए जाने पर संबंधित प्रतिष्ठानों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।

कालाबाजारी को रोकने के लिए कानूनी सख्ती भी उतनी ही जरूरी है। आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत जमाखोरी और अवैध बिक्री करने वालों पर कठोर दंड का प्रावधान है, लेकिन अक्सर इन कानूनों का प्रभावी उपयोग नहीं हो पाता। यदि प्रशासन दोषियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई करते हुए भारी जुर्माना और कारावास जैसी सजा सुनिश्चित करे, तो इससे इस तरह की गतिविधियों पर काफी हद तक अंकुश लगाया जा सकता है।

इसके साथ ही गैस एजेंसियों की लाइसेंसिंग व्यवस्था को भी मजबूत बनाना होगा। जिन एजेंसियों या डीलरों की संलिप्तता कालाबाजारी में पाई जाए, उनके लाइसेंस तुरंत निरस्त किए जाने चाहिए।

इससे यह संदेश जाएगा कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के लिए कोई रियायत नहीं है। उपभोक्ताओं की भूमिका भी इस समस्या के समाधान में महत्वपूर्ण हो सकती है। यदि लोगों को सही जानकारी और जागरूकता मिले तो वे अफवाहों पर भरोसा करने के बजाय जिम्मेदारी से व्यवहार करेंगे। इसके लिए प्रशासन और गैस कंपनियों को जनजागरूकता अभियान चलाने चाहिए। लोगों को यह बताया जाना चाहिए कि जरूरत से ज्यादा सिलेंडर जमा करना दूसरों के अधिकारों का हनन है और इससे कृत्रिम संकट पैदा होता है।

तकनीकी उपायों के साथ उपभोक्ता शिकायत तंत्र को भी मजबूत करना आवश्यक है। हेल्पलाइन नंबर और ऑनलाइन शिकायत प्रणाली को सक्रिय और प्रभावी बनाया जाए, ताकि यदि किसी उपभोक्ता को अनियमितता का सामना करना पड़े तो वह तुरंत इसकी जानकारी प्रशासन को दे सके। शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई होने से लोगों का भरोसा व्यवस्था पर बना रहेगा। आखिरकार, गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी केवल एक प्रशासनिक चुनौती नहीं है, बल्कि यह सामाजिक जिम्मेदारी का भी सवाल है। सरकार, प्रशासन, गैस एजेंसियों और उपभोक्ताओं–सभी को मिलकर इस समस्या से निपटना होगा। पारदर्शी वितरण व्यवस्था, सख्त निगरानी, तकनीकी ट्रैकिंग और कठोर कानूनी कार्रवाई जैसे उपाय अपनाकर ही इस अवैध गतिविधि पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकता है। यदि प्रशासन समय रहते ठोस कदम उठाए और व्यवस्था को पारदर्शी बनाए, तो न केवल कालाबाजारी पर रोक लगेगी बल्कि आम उपभोक्ताओं को भी राहत मिलेगी। घरेलू गैस जैसी आवश्यक सेवा की उपलब्धता सुनिश्चित करना सरकार और प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है, और इस जिम्मेदारी को निभाने के लिए सख्त और दूरदर्शी कदम उठाना समय की मांग है।

पाकिस्तानी क्रिकेटर के द हंड्रेड लीग में आने से मचा बवाल

सनराइजर्स ने क्यों खरीदा पाक स्टार खिलाड़ी अबरार

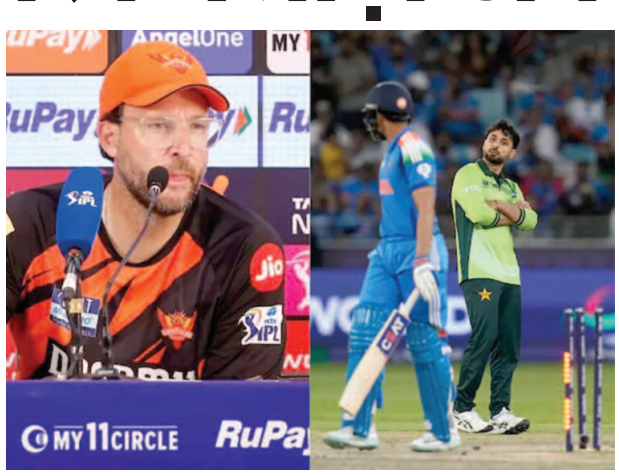

यूनिक समय, नई दिल्ली। इंग्लैंड के द हंड्रेड क्रिकेट टूर्नामेंट में पाकिस्तानी स्पिनर अबरार अहमद को लेकर चल रहे विवाद पर अब सनराइजर्स लीड्स के कोच डेनियल विटोरी ने अपनी चुप्पी तोड़ी है। इस साल के ऑक्शन में टीम ने अबरार को 2 करोड़ से अधिक कीमत पर खरीदा, जिससे सोशल मीडिया पर टीम और इसकी ओनर काव्या मारन की आलोचना होने लगी।

विटोरी ने साफ किया कि अबरार को साइन करना पूरी तरह ऑक्शन की रणनीति और उपलब्ध विकल्पों पर आधारित था। उन्होंने बताया कि टीम अपनी प्राथमिकता के अनुसार आदिल राशिद को खरीदना चाहती थी, लेकिन राशिद उपलब्ध नहीं थे। इस वजह से टीम ने विदेशी स्पिनर की ओर ध्यान दिया और कई विकल्पों में से अबरार को चुना।

कोच ने आगे कहा कि यह फैसला किसी भी राजनीतिक या अन्य कारण से नहीं लिया गया। "जब हमारी प्राथमिक पसंद उपलब्ध नहीं थी, तब हमने खिलाड़ी की योग्यता और क्रिकेटिंग क्षमता के आधार पर निर्णय लिया। चार–पांच खिलाड़ियों पर विचार किया गया और अबरार उनमें सबसे उपयुक्त साबित हुए, विटोरी ने बताया। सनराइजर्स लीड्स की टीम के अलावा किसी भी भारतीय मालिक वाली टीम ने इस सीजन में पाकिस्तानी खिलाड़ी को साइन नहीं किया। प्रारंभ में यह अफवाह फैली कि भारतीय मालिक वाली टीमें पाकिस्तानी खिलाड़ियों को नहीं खरीद सकतीं, लेकिन बाद में सभी फ्रेंचाइजी ने स्पष्ट किया कि चयन सिर्फ क्रिकेटिंग क्षमता और योग्यता के आधार पर होगा। अबरार अहमद का चयन द हंड्रेड में पहली बार भारतीय मालिक वाली टीम द्वारा पाकिस्तानी खिलाड़ी को साइन करने का मामला बन गया है। इस फैसले के बाद सोशल मीडिया पर सनराइजर्स लीड्स और टीम की ओनर काव्या मारन की आलोचना शुरू हो गई। आलोचना इतनी बढ़ गई कि टीम का आधिकारिक एक्स अकाउंट भी अस्थायी रूप से सस्पेंड कर दिया गया। विटोरी ने इस विवाद पर कहा कि टीम ने निर्णय पूरी पारदर्शिता के साथ लिया और इसमें सिर्फ खेल और टीम की रणनीति मायने रखती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि खिलाड़ियों का चयन हमेशा योग्यता और प्रदर्शन के आधार पर होना चाहिए, न कि किसी राष्ट्रीयता या राजनीतिक कारण से।

इस विवाद ने द हंड्रेड टूर्नामेंट में ऑक्शन की रणनीति और विदेशी खिलाड़ियों के चयन पर ध्यान केंद्रित कर दिया है। अबरार अहमद की मौजूदगी से टूर्नामेंट में खेल की प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी, जबकि फैंस और विशेषज्ञ इस फैसले के संभावित प्रभावों पर लगातार बहस कर रहे हैं।

संक्षेप में कहा जाए तो सनराइजर्स लीड्स का यह कदम ऑक्शन की रणनीति और टीम की जरूरतों के अनुसार था, लेकिन सोशल मीडिया और क्रिकेट फैंस के बीच यह मुद्दा गंभीर बहस का विषय बन गया है।

बादशाह पेश नहीं हुए टटीरी सॉन्ग विवाद बढ़ा

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड सिंगर और रैपर बादशाह हरियाणा महिला आयोग के समन पर शुक्रवार को पेश नहीं हुए। बादशाह के वकीलों ने आयोग से मोहलत मांगी, लेकिन महिला आयोग की अध्यक्ष रेनू भाटिया मीटिंग के दौरान भड़क गईं। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर बादशाह दोपहर 3 बजे तक पेश नहीं हुए तो उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

पूरा विवाद उनके गाने टटीरी के आपत्तिजनक लिरिक्स और लड़कियों के शॉट्स को लेकर है। महिला आयोग ने बादशाह को 6 मार्च को नोटिस भेजकर पानीपत ऑफिस में पेश होने के लिए कहा था। गाने को लेकर सामाजिक संगठनों और आयोग ने आपत्ति जताई थी। पंचकूला पुलिस ने बादशाह के टटीरी सॉन्ग को यूट्यूब से हटवा दिया था। इस गाने को लेकर कई लोगों ने अश्लीलता और महिला सम्मान के खिलाफ शिकायतें दर्ज करवाई थीं। अब आयोग ने सिंगर को नोटिस का पालन करने और भविष्य में ऐसी सामग्री पर नियंत्रण रखने की चेतावनी दी है। वकीलों की ओर से मोहलत मिलने के बावजूद बादशाह के न पेश होने से विवाद और बढ़ गया है। महिला आयोग ने स्पष्ट कर दिया है कि नियमों का उल्लंघन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया आगे बढ़ सकती है। यह मामला भारतीय संगीत उद्योग और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर सेंसरशिप और जिम्मेदारी को लेकर एक बार फिर बहस छेड़ रहा है।

आराध्या संग ऐश्वर्या–अभिषेक का ग्लैमरस फैमिली अवतार

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड के चर्चित जोड़े ऐश्वर्या राय बच्चन और अभिषेक बच्चन को हाल ही में एक हाई–प्रोफाइल शादी समारोह में देखा गया। उनके साथ बेटी आराध्या बच्चन भी मौजूद थी, जिसने सोशल मीडिया पर खूब सुर्खियां बटोरीं। शालिनी पासी ने इस समारोह की अनदेखी झलकियां इंस्टाग्राम पर साझा कीं, जिसमें पूरा परिवार एक साथ मुस्कुराता और खुश नजर आया।

इस भव्य आयोजन का उद्देश्य था मशहूर ट्रेड एनालिस्ट कोमल नाहटा के बेटे मोहक की शादी। तस्वीरों में ऐश्वर्या और आराध्या का ग्लैमरस लुक खासा आकर्षक था। आराध्या ने सिल्वर बॉडीकॉन ड्रेस पहनी थी, जबकि ऐश्वर्या ने अपनी ग्रेस और स्टाइल से सबका ध्यान खींचा। तस्वीरों में मनीष मल्होत्रा और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर ओरहान अवात्रामणि भी दिखाई दिए।

बीते कुछ समय से ऐश्वर्या और अभिषेक के अलगाव की अफवाहें मीडिया में चल रही थीं। जुलाई 2024 के आसपास दोनों को अलग–अलग आयोजनों में देखा गया था, जबकि सोशल मीडिया पर अभिषेक की कुछ पोस्ट ने अटकलों को और हवा दी थी। हालांकि हाल के महीनों में दोनों की सार्वजनिक उपस्थिति बढ़ी है। इससे पहले यह जोड़ा सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर की शादी में साथ देखा गया था और वेकेशन पर भी एक साथ स्पॉट हुए थे।

ऐश्वर्या ने कान फिल्म फेस्टिवल में सिंदूर सजाकर भी अफवाहों को अप्रत्यक्ष रूप से खारिज किया था। वर्तमान में अभिषेक अपनी नई फिल्मों में व्यस्त हैं, जबकि ऐश्वर्या मणिरत्नम की फिल्म पोन्नियिन सेलवन में दिखाई दी थीं। आराध्या का आत्मविश्वास और ऐश्वर्या की स्टाइलिश मौजूदगी इस परिवार की एकजुटता का संदेश देती है। सोशल मीडिया पर फैंस ने इस पारिवारिक झलक की सराहना की और परिवार के सुखद क्षणों पर प्रतिक्रिया दी। इस समारोह ने साबित कर दिया कि बच्चन परिवार अभी भी अपने ग्लैमरस और स्टाइलिश अंदाज के साथ सबका ध्यान खींचने में सक्षम है।

द हंड्रेड लीग: 100 गेंदों का अनोखा क्रिकेट और नया विवाद

यूनिक समय, नई दिल्ली। क्रिकेट की दुनिया में फ्रेंचाइजी लीगों का दौर लगातार बढ़ता जा रहा है। भारत की इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) दुनिया की सबसे लोकप्रिय टी20 लीग मानी जाती है, लेकिन इंग्लैंड में खेला जाने वाला द हंड्रेड अपने अलग फॉर्मेट के कारण चर्चा में रहता है। इस साल 2026 में इसका छठा सीजन खेला जाएगा, लेकिन उससे पहले ही यह टूर्नामेंट विवादों में आ गया है।

हाल ही में हुए ऑक्शन में पाकिस्तानी स्पिनर अबरार अहमद को खरीदे जाने के बाद बहस छिड़ गई। उन्हें काव्या मारन की टीम सनराइजर्स लीड्स ने खरीदा, जिसके बाद सोशल मीडिया पर कई तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आईं। इसी कारण यह लीग अचानक सुर्खियों में आ गई और क्रिकेट प्रशंसकों के बीच यह सवाल भी उठने लगा कि आखिर द हंड्रेड है क्या और यह आईपीएल से कितना अलग है। द हंड्रेड इंग्लैंड में खेला जाने वाला एक फ्रेंचाइजी क्रिकेट टूर्नामेंट है,

जिसकी शुरुआत 2021 में हुई थी। इसकी सबसे बड़ी खासियत इसका फॉर्मेट है। जहां टी20 क्रिकेट में एक पारी 120 गेंदों की होती है, वहीं द हंड्रेड में हर टीम को सिर्फ 100 गेंदें खेलने का मौका मिलता है। इस कारण मैच तेज और रोमांचक हो जाता है।

इस टूर्नामेंट में कुल 8 शहर–आधारित टीमें हिस्सा लेती हैं और पुरुषों के साथ–साथ महिलाओं का टूर्नामेंट भी समानांतर रूप से खेला जाता है।

इस लीग में गेंदबाजी का तरीका भी थोड़ा अलग है। एक गेंदबाज एक बार में 5 या 10 गेंद लगातार डाल सकता है। हालांकि पूरे मैच में वह अधिकतम 20 गेंदें ही फेंक सकता है।

जहां टी20 में पावरप्ले 6 ओवर का होता है, वहीं द हंड्रेड में 25 गेंदों का पावरप्ले रखा गया है। इस दौरान 30 गज के घेरे के बाहर सीमित फील्डर ही खड़े हो सकते हैं। इसके अलावा मैच में सिर्फ 90 सेकंड का टाइम–आउट दिया जाता है, जिसमें कोच मैदान पर आकर खिलाड़ियों से रणनीति बना सकता है। यही वजह है कि मैच लगभग दो से ढाई घंटे में खत्म हो जाता है। द हंड्रेड में हर टीम लीग चरण में 8 मैच खेलती है। जीतने पर 4 अंक मिलते हैं। अंक तालिका में शीर्ष टीम सीधे फाइनल में पहुंचती है, जबकि दूसरे और तीसरे स्थान की टीमों के बीच एलिमिनेटर खेला जाता है।

इस लीग में बर्मिंघम फीनिक्स, लंदन स्पिरिट, मैनचेस्टर सुपर जायंट्स, एमआई लंदन, सदर्न ब्रेव, ट्रेंट रॉकेट्स, वेल्श फायर और सनराइजर्स लीड्स जैसी टीमें हिस्सा लेती हैं।

संक्षेप में कहा जाए तो द हंड्रेड क्रिकेट का एक प्रयोगात्मक और तेज फॉर्मेट है। हालांकि इसकी लोकप्रियता अभी आईपीएल जितनी नहीं है, लेकिन नए नियमों और छोटे मैच समय के कारण यह क्रिकेट प्रशंसकों के बीच तेजी से पहचान बना रहा है।

टीजर रिलीज: मैं वापस आऊंगा में रंगीन कैमिस्ट्री नजर आई

यूनिक समय, नई दिल्ली। इम्तियाज अली की फिल्म मैं वापस आऊंगा का टीजर शुक्रवार को रिलीज़ कर दिया गया। टीजर में वेदांग रैना और शरवरी वाघ की कैमिस्ट्री ने सबका ध्यान खींचा, वहीं दिलजीत दोसांझ ने फिल्म में अपनी विशेष उपस्थिति से तड़का लगाया। यह फिल्म भारत–पाकिस्तान विभाजन पर आधारित प्रेम कहानी प्रतीत होती है और जून 12, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी। टीजर में कलाकारों का परिचय कराया गया है और दिलजीत द्वारा गाया गया बैकग्राउंड गाना 'मैं वापस आऊंगा' टीजर का मुख्य आकर्षण है। वेदांग रैना युवा नसीरुद्दीन शाह की भूमिका निभाते नजर आएंगे, जबकि शरवरी उनकी प्रेमिका की भूमिका में दिखाई देंगी। दिलजीत दोसांझ एक यूट्यूबर की भूमिका में हैं, जो सोशल मीडिया की मदद से शाह को उनके पुराने प्यार से मिलाने की कोशिश करता है। हालांकि, पूरी कहानी और किरदारों की भूमिका के लिए ट्रेलर और फिल्म का इंतज़ार करना होगा। मैं वापस आऊंगा के मुख्य कलाकारों में दिलजीत दोसांझ, नसीरुद्दीन शाह, वेदांग रैना और शरवरी वाघ शामिल हैं। फिल्म का निर्देशन

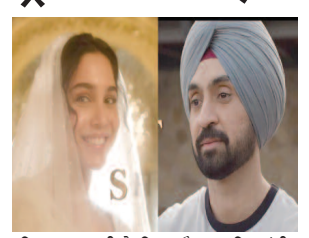

इम्तियाज अली ने किया है, जबकि संगीत एआर रहमान ने दिया है और गीत इरशाद कामिल ने लिखे हैं। फिल्म का निर्माण विंडो सीट फिल्म्स और मोहित चौधरी द्वारा किया गया है। दिलजीत दोसांझ और इम्तियाज अली का यह दूसरा सहयोग है। इससे पहले दोनों ने नेटफ्लिक्स की अमर सिंह चमकीला में साथ काम किया था, जिसमें परिणीति चोपड़ा भी थीं। अमर सिंह चमकीला को एमी पुरस्कारों के लिए नामांकित किया गया और भारत में कई पुरस्कार भी मिले। इस बार दिलजीत सहायक भूमिका में नजर आएंगे, जिससे फिल्म में नए रंग और रोमांच का अंदाज देखने को मिलेगा। टीजर की रिलीज़ के साथ ही फिल्म के प्रति उत्साह बढ़ गया है और फैंस अब फिल्म के ट्रेलर और सिनेमाई अनुभव का बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं।

यूपी में गैस संकट गहराया एजेंसियों पर हंगामा और जाम

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश के कई जिलों में रसोई गैस की भारी किल्लत के कारण हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। गैस एजेंसियों के बाहर सुबह से ही लंबी कतारें लग रही हैं और घंटों इंतजार के बाद भी सिलिंडर नहीं मिलने से लोगों का गुस्सा फूट रहा है। कई जगह उपभोक्ताओं और एजेंसी कर्मचारियों के बीच कहासुनी की स्थिति भी बन रही है, जिसके चलते पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ रहा है।

प्रयागराज के झूंसी क्षेत्र में गैस सिलिंडर को लेकर विवाद इतना बढ़ गया कि मौके पर पुलिस बुलानी पड़ी। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए कुछ समय के लिए गैस एजेंसी का कार्यालय बंद करना पड़ा। वहीं शाहजहांपुर के जलालाबाद में सिलेंडर न मिलने से नाराज लोगों ने बरेली–फर्रुखाबाद हाईवे पर जाम लगा दिया। पुलिस के समझाने के बाद ही यातायात सामान्य हो सका। गोरखपुर के भरोहिया क्षेत्र में भी गैस संकट से लोगों की परेशानियां बढ़ गई हैं। पीपीगंज की एक गैस एजेंसी सील होने के बाद वितरण ठप हो गया, जिससे उपभोक्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। इसके अलावा कई जिलों में ऑनलाइन बुकिंग में दिक्कत और कम आपूर्ति के कारण स्थिति और गंभीर हो गई है। गैस की कमी का असर अब उद्योग–धंधों पर भी दिखाई देने लगा है। फिरोजाबाद में कांच और चूड़ी उद्योग को मिलने वाली गैस के कोटे में लगभग 20 प्रतिशत कटौती कर दी गई है। इससे सैकड़ों कारखानों पर ताले लगने का खतरा मंडरा रहा है और बड़ी संख्या में मजदूरों की रोजी–रोटी पर संकट खड़ा हो गया है।

इसी तरह हाथरस के बिसावर क्षेत्र में चांदी के घुंघरू और आभूषण बनाने का कारोबार भी प्रभावित हुआ है। गैस की आपूर्ति बाधित होने से करीब 180 छोटी–बड़ी फैक्टरियों में काम ठप हो गया है और लगभग चार हजार कारीगरों के सामने रोजगार का संकट खड़ा हो गया है।

वहीं कई जिलों में गैस की कालाबाजारी की शिकायतें भी सामने आई हैं। जौनपुर में छापेमारी के दौरान 61 घरेलू सिलेंडर बरामद किए गए, जबकि भदोही में भी कई सिलेंडर जब्त किए गए। सरकार का कहना है कि गैस की कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और आम उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए आपूर्ति सामान्य करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

अलविदा जुमे पर संभल में हाई अलर्ट, ड्रोन से निगरानी

यूनिक समय, संभल। रमजान के पवित्र महीने के आखिरी शुक्रवार यानी अलविदा जुमे की नमाज को लेकर संभल में पुलिस–प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। शहर की जामा मस्जिद समेत प्रमुख मस्जिदों के आसपास सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। किसी भी प्रकार की अव्यवस्था से निपटने के लिए तीन कंपनी पीएसी के साथ भारी पुलिस बल तैनात किया गया है और पूरे इलाके पर कड़ी नजर रखी जा रही है। प्रशासन ने संवेदनशीलता को देखते हुए जामा मस्जिद क्षेत्र, मुख्य बाजारों और प्रमुख मार्गों पर अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किया है। नमाज के दौरान ड्रोन और सीसीटीवी कैमरों के जरिए निगरानी की जा रही है, ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई की जा सके। इसके साथ ही सोशल मीडिया पर भी विशेष नजर रखी जा रही है, जिससे अफवाहों और भ्रामक संदेशों को फैलने से रोका जा सके। संभल शहर को संवेदनशील श्रेणी में रखा गया है। इसी कारण डीएम की ओर से शहर में 19 मजिस्ट्रेट तैनात किए गए हैं, जबकि जिले के सभी थानों पर भी एक–एक मजिस्ट्रेट की नियुक्ति की गई है। पुलिस, पीएसी और अन्य सुरक्षा बलों के जवान भी लगातार गश्त कर रहे हैं।

संभल जामा मस्जिद के शाही इमाम मौलाना आफताब हुसैन वासी ने लोगों से अपील की है कि अलविदा जुमे की नमाज पूरी शांति और अनुशासन के साथ अदा करें। उन्होंने कहा कि सभी लोग अपनी–अपनी मस्जिदों में ही नमाज पढ़ें और यातायात व्यवस्था को प्रभावित न करें। प्रशासन ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि सड़कों पर नमाज अदा करने की अनुमति नहीं होगी। पुलिस प्रशासन ने यह भी साफ किया है कि किसी भी प्रकार के प्रदर्शन, जुलूस या नारेबाजी की अनुमति नहीं दी जाएगी। विशेष रूप से किसी अंतरराष्ट्रीय मुद्दे के समर्थन में प्रदर्शन करने पर पूरी तरह रोक लगाई गई है। अधिकारियों ने लोगों से शांति बनाए रखने और अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है। प्रशासन का कहना है कि अगर किसी ने सोशल मीडिया पर माहौल बिगाड़ने वाली पोस्ट या वीडियो साझा की तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

यूपी में बदलेगा मौसम का मिजाज

कई जिलों में 15–16 मार्च को बारिश के आसार

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मौसम एक बार फिर बदलने के संकेत दे रहा है। मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश में सक्रिय हो रहे नए पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से 15 और 16 मार्च को कई जिलों में बारिश होने की संभावना है। इस दौरान कुछ इलाकों में तेज हवा के साथ गरज–चमक भी देखने को मिल सकती है। मौसम में इस बदलाव से हाल के दिनों में बढ़ी गर्मी और उमस से लोगों को कुछ राहत मिलने की उम्मीद है।

पिछले कुछ दिनों से प्रदेश के कई हिस्सों में धुंध और कोहरे की स्थिति बनी हुई थी, लेकिन गुरुवार को अधिकांश क्षेत्रों में इससे काफी हद तक राहत मिल गई। हालांकि तराई और पश्चिमी जिलों में सुबह के समय हल्की धुंध अभी भी देखी गई। धुंध छंटने के बाद धूप तेज हुई और तापमान में तेजी से बढ़ोतरी दर्ज की गई।

बांदा प्रदेश का सबसे गर्म जिला रहा, जहां अधिकतम तापमान 39 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। वहीं झांसी में 38.3 डिग्री और उरई में 37.8 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। रात के तापमान में भी बढ़ोतरी हुई और बांदा में न्यूनतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि आने वाले दिनों में पश्चिमी विक्षोभ के असर से प्रदेश के तराई और पूर्वांचल क्षेत्रों में बादलों की आवाजाही बढ़ेगी। 15 और 16 मार्च को कई जगह हल्की से मध्यम बारिश होने के आसार हैं। इसके साथ ही तेज हवाएं चल सकती हैं और कुछ स्थानों पर गरज–चमक के साथ बूंदाबांदी भी हो सकती है।

बारिश के कारण तापमान में भी गिरावट दर्ज होने की संभावना है। अनुमान है कि दिन के तापमान में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस और रात के तापमान में 3 से 5 डिग्री सेल्सियस तक कमी आ सकती है। इससे मौसम कुछ हद तक सुहावना हो जाएगा।

राजधानी लखनऊ में भी गुरुवार को मौसम साफ रहा और तेज धूप के कारण तापमान 35 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार 13 और 14 मार्च तक गर्मी का असर बना रहेगा, लेकिन इसके बाद मौसम का मिजाज बदल सकता है और हल्की बारिश के साथ तापमान में गिरावट देखने को मिल सकती है।

नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने बुढ़ाना में खरीदी 55 बीघा जमीन

यूनिक समय, लखनऊ। मुजफ्फरनगर के बुढ़ाना क्षेत्र में बॉलीवुड अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने करीब 55 बीघा कृषि भूमि खरीदकर चर्चा बटोर ली है। इस जमीन की रजिस्ट्री तहसील स्थित उप निबंधक कार्यालय में कराई गई, जिसकी कीमत लगभग छह करोड़ रुपये बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार अभिनेता अपने भाई और फिल्म प्रोड्यूसर फैजुद्दीन सिद्दीकी सहित परिवार के अन्य सदस्यों के साथ बुढ़ाना तहसील पहुंचे थे। यहां उप निबंधक पंकज कुमार जैन के समक्ष जमीन की रजिस्ट्री की प्रक्रिया पूरी की गई और सभी जरूरी दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए गए। बताया गया कि यह कृषि भूमि बुढ़ाना बांगर क्षेत्र में स्थित है, जिसे अभिषेक जैन समेत सात लोगों से खरीदा गया है। जमीन की खरीद से जुड़ी कानूनी प्रक्रिया को अधिवक्ता प्रशांत शर्मा की देखरेख में पूरा किया गया। रजिस्ट्री के दौरान अभिनेता के परिवार के कई सदस्य भी मौजूद रहे।

रजिस्ट्री पूरी होने के बाद नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने अपनी माता हज्जन मेहरुनिशां और परिवार के अन्य लोगों से मुलाकात भी की। उनके साथ भाई एडवोकेट अलमासुद्दीन सिद्दीकी और माजुद्दीन सिद्दीकी भी तहसील मुख्यालय पहुंचे थे। बताया जा रहा है कि अभिनेता के परिवार के पास पहले से भी इस क्षेत्र में जमीन मौजूद है। नई जमीन की खरीद के साथ नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने अपने पैतृक इलाके से जुड़ाव को और मजबूत किया है। स्थानीय लोगों में भी अभिनेता के आगमन को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला।

बुलंदशहर में सनसनी: रेलवे ट्रैक किनारे मिले तीन शव

यूनिक समय, बुलंदशहर। बुलंदशहर के खुर्जा क्षेत्र में शुक्रवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई जब रेलवे ट्रैक के पास जंगल में एक ही परिवार के तीन लोगों के शव बरामद हुए। मृतकों में एक युवक, उसकी भाभी और पांच साल की मासूम बच्ची शामिल हैं। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है और घटना के पीछे की वजह तलाशने में जुटी है।

जानकारी के अनुसार नेहरूपुर गांव के पास खेतों के किनारे रेलवे लाइन के पास एक पेड़ के नीचे पांच वर्षीय बच्ची सावंती और उसके चाचा सरल (28) के शव पड़े मिले। वहीं बच्ची की मां देवी सरकार (32) का शव उसी पेड़ से रस्सी के फंदे से लटका हुआ मिला। घटना की सूचना रेलवे के कीमैन ने पुलिस को दी, जिसके बाद पुलिस अधिकारी और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची।

पुलिस को घटनास्थल से कई संदिग्ध चीजें भी मिली हैं। वहां सात चिप्स के पैकेट, एक कोल्ड ड्रिंक, पानी की बोतल, एक पराठा और एक सेब पड़ा मिला। इसके अलावा दो टूटे हुए मोबाइल फोन भी बरामद हुए हैं। जमीन पर पड़े युवक और बच्ची के शवों की गर्दन पर रस्सी के निशान मिले हैं, जिससे मामला और संदिग्ध हो गया है। सीओ खुर्जा शोभित कुमार ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का लग रहा है, लेकिन महिला का पति अपीश्वर अभी फरार है। ऐसे में हत्या की आशंका से भी इनकार नहीं किया जा सकता। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है।

मृतक परिवार मूल रूप से पश्चिम बंगाल के दक्षिण दिनाजपुर जिले के रहने वाले बताए जा रहे हैं। देवी सरकार अपने पति अपीश्वर के साथ खुर्जा की एक पॉटरी फैक्ट्री में मजदूरी करती थीं, जबकि उनका देवर सरल भी दूसरी पॉटरी इकाई में काम करता था।

पुलिस ने तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम और फोरेंसिक रिपोर्ट आने के बाद ही घटना की असली वजह सामने आ सकेगी। फिलहाल पुलिस मामले की हर एंगल से जांच कर रही है और फरार पति की तलाश भी जारी है।

पश्चिम एशिया तनाव के बीच जयशंकर–अराघची की फिर बातचीत

होर्मुज मार्ग पर राहत के संकेत

यूनिक समय, नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और ऊर्जा संकट के बीच भारत की कूटनीतिक सक्रियता लगातार जारी है। इसी क्रम में भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची से फोन पर बातचीत की। पश्चिम एशिया में मौजूदा संकट शुरू होने के बाद दोनों नेताओं के बीच यह चौथी बातचीत बताई जा रही है।

यह बातचीत ऐसे समय हुई जब रणनीतिक रूप से बेहद अहम समुद्री मार्ग होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर वैश्विक चिंता बढ़ी हुई है। ईरान द्वारा इस मार्ग को आंशिक रूप से बाधित किए जाने के कारण कई व्यापारिक जहाजों की आवाजाही प्रभावित हुई है। भारत के करीब 28 व्यापारिक जहाज भी इस क्षेत्र में फंसे हुए बताए जा रहे हैं, जिनकी सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए भारत लगातार प्रयास कर रहा है। विदेश मंत्री जयशंकर ने सोशल मीडिया पर जानकारी देते हुए कहा कि ईरानी विदेश मंत्री के साथ हुई बातचीत में द्विपक्षीय संबंधों के अलावा वैश्विक और बहुपक्षीय मुद्दों पर भी चर्चा हुई। इसमें विशेष रूप से ऊर्जा आपूर्ति, समुद्री सुरक्षा और ब्रिक्स से जुड़े विषय शामिल रहे। गौरतलब है कि पश्चिम एशिया में हालिया संघर्ष के बाद भारत और ईरान के बीच कूटनीतिक संपर्क लगातार बना हुआ है। बीते 28 फरवरी को क्षेत्र में तनाव बढ़ने के बाद दोनों देशों के विदेश मंत्रियों के बीच बातचीत हुई थी। इसके बाद 5 मार्च और 10 मार्च को भी दोनों नेताओं ने फोन पर चर्चा की थी।

इस ताजा बातचीत के बाद संकेत मिले हैं कि होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों के लिए हालात धीरे–धीरे सामान्य होने की दिशा में बढ़ रहे हैं। यह मार्ग दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा आपूर्ति रास्तों में से एक माना जाता है, इसलिए इसकी सुरक्षा वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए भी बेहद अहम है। भारत सरकार इस क्षेत्र में फंसे अपने व्यापारिक जहाजों और भारतीय हितों की सुरक्षा को लेकर लगातार कूटनीतिक प्रयास कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि स्थिति पर करीबी नजर रखी जा रही है और जहाजों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं।

शेयर बाजार में भारी गिरावट

निवेशकों के 10 लाख करोड़ डूबे

सेंसेक्स–निफ्टी लुढ़के

यूनिक समय, नई दिल्ली। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार में बड़ी गिरावट देखने को मिली। कमजोर वैश्विक संकेतों और पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच बाजार दबाव में रहा। कारोबार के अंत में सेंसेक्स 1470.50 अंक यानी करीब 1.93 प्रतिशत गिरकर 74,563.92 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 488.05 अंक यानी 2.06 प्रतिशत टूटकर 23,151.10 के स्तर पर बंद हुआ।

बाजार में तेज बिकवाली के चलते निवेशकों को भारी नुकसान उठाना पड़ा। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध कंपनियों के कुल बाजार पूंजीकरण में करीब 10 लाख करोड़ रुपये की गिरावट दर्ज की गई। इसके साथ ही निवेशकों की कुल संपत्ति में भी बड़ी कमी आई। मुद्रा बाजार में भी कमजोरी देखने को मिली। भारतीय रुपया 20 पैसे गिरकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 92.45 के नए रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ। विश्लेषकों का मानना है कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता और विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार बिकवाली के कारण बाजार पर दबाव बना हुआ है। विशेषज्ञों के अनुसार पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष का असर अंतरराष्ट्रीय बाजारों पर भी दिखाई दे रहा है। कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी भी निवेशकों की चिंता का कारण बनी हुई है। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड का भाव लगभग 100 डॉलर प्रति बैरल के आसपास पहुंच गया है, जिससे महंगाई और आर्थिक दबाव बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार बिकवाली के कारण बड़े प्रमुख कंपनियों के शेयरों पर भी दबाव बना हुआ है। अमेरिका के बाजारों में कमजोरी और वैश्विक अनिश्चितता के चलते फिलहाल बाजार में उतार–चढ़ाव जारी रहने की संभावना है।

विश्लेषकों का मानना है कि जब तक वैश्विक हालात स्थिर नहीं होते और विदेशी निवेशकों की बिकवाली नहीं रुकती, तब तक भारतीय शेयर बाजार में अस्थिरता बनी रह सकती है। हालांकि लंबी अवधि के निवेशकों को बाजार की चाल पर नजर रखते हुए सोच–समझकर निवेश करने की सलाह दी जा रही है।

असम दौरे पर पीएम मोदी

खराब मौसम में भी असम को मिली विकास योजनाएं

गुवाहाटी से किया 4,500 करोड़ की परियोजनाओं का उद्घाटन

यूनिक समय, नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिवसीय दौरे पर असम पहुंचे, लेकिन खराब मौसम के कारण उनके कार्यक्रम में बदलाव करना पड़ा। तय कार्यक्रम के अनुसार उन्हें कोकराझार जाना था, मगर मौसम खराब होने की वजह से उनका दौरा रद्द कर दिया गया। इसके बाद प्रधानमंत्री गुवाहाटी पहुंचे और वहीं से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। गुवाहाटी से संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि खराब मौसम के कारण वे कोकराझार नहीं पहुंच पाए, जिसके लिए उन्होंने लोगों से क्षमा भी मांगी। उन्होंने बताया कि वे दिल्ली से सीधे कोकराझार आने के लिए निकले थे, लेकिन मौसम की वजह से गुवाहाटी में ही उतरना पड़ा। इसके बावजूद उन्होंने यहां से ही लोगों से संवाद किया और परियोजनाओं की शुरुआत की। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की डबल इंजन सरकार असम के तेज विकास और राज्य की समृद्ध विरासत को सहेजने के लिए लगातार काम कर रही है। इस कार्यक्रम के दौरान 4,500 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया गया। प्रधानमंत्री ने लगभग 3,200 करोड़ रुपये की लागत वाली प्रमुख सड़क अवसंरचना परियोजना "असम माला 3.0" की शुरुआत भी की। इस योजना के तहत राज्य में 900 किलोमीटर से अधिक सड़कों का निर्माण किया जाएगा, जिससे अंतरराज्यीय संपर्क और ग्रामीण सड़कों की कनेक्टिविटी मजबूत होगी।

इसके अलावा बोडोलैंड प्रादेशिक परिषद क्षेत्र में करीब 1,100 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली छह सड़क परियोजनाओं का शिलान्यास किया गया। इनमें चार फ्लाईओवर और दो पुल शामिल हैं। इन परियोजनाओं से यातायात जाम कम होगा और पर्यटन, कृषि, स्वास्थ्य सेवाओं तथा ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन बेहतर होगा।

प्रधानमंत्री ने असम और उत्तर–पूर्वी राज्यों के बीच संपर्क बढ़ाने के उद्देश्य से तीन नई रेल सेवाओं को भी हरी झंडी दिखाई। इन रेल सेवाओं से क्षेत्र की कनेक्टिविटी मजबूत होगी और व्यापार, पर्यटन तथा यात्रियों की आवाजाही को नया बल मिलेगा।

लखनऊ में 57 किमी के ग्रीन कॉरिडोर का लोकार्पण

यूनिक समय, लखनऊ । लखनऊ रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को लखनऊ में 57 किलोमीटर लंबे ग्रीन कॉरिडोर का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे। झूलेलाल पार्क में आयोजित समारोह में प्रदेश सरकार के कई मंत्री और भाजपा पदाधिकारी शामिल हुए।

ग्रीन कॉरिडोर परियोजना को राजधानी में बढ़ते यातायात दबाव को कम करने और आवागमन को सुगम बनाने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। इसके शुरू होने से शहर के विभिन्न इलाकों में लगने वाले जाम से लोगों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। कार्यक्रम में नेताओं ने कहा कि यह परियोजना लखनऊ के यातायात ढांचे को मजबूत करने के साथ–साथ शहर के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इसके शुरू होने से राजधानी में यात्रा करना पहले की तुलना में अधिक आसान और तेज हो जाएगा।

बंगाल चुनाव से पहले ममता का बड़ा दांव

पांच समुदायों के लिए बनेगा नया विकास बोर्ड

यूनिक समय, नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सामाजिक और राजनीतिक स्तर पर बड़ा कदम उठाते हुए पांच समुदायों के लिए नए सांस्कृतिक और विकास बोर्ड बनाने की घोषणा की है। इस फैसले को चुनाव से पहले का अहम राजनीतिक दांव माना जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को बताया कि राज्य सरकार मुंडा, कोरा, डोम, कुंभकार और सदगोप समुदायों के लिए अलग–अलग सांस्कृतिक और विकास बोर्ड स्थापित करेगी। इन समुदायों में अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति और अन्य पिछड़ा वर्ग से जुड़े लोग शामिल हैं। सरकार का कहना है कि इन बोर्डों के माध्यम से इन समुदायों की परंपराओं, भाषा और सांस्कृतिक पहचान को संरक्षित किया जाएगा।

ममता बनर्जी ने कहा कि ये समुदाय पश्चिम बंगाल की समृद्ध और रंगीन सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। नए बोर्डों के जरिए इनके सामाजिक और आर्थिक विकास को भी गति मिलेगी। इसके तहत शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी योजनाओं को प्रभावी तरीके से लागू करने की कोशिश की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि उनकी सरकार 2013 से ही विभिन्न समुदायों के विकास के लिए कई सांस्कृतिक और विकास बोर्ड बना चुकी है। इन बोर्डों के माध्यम से कमजोर और वंचित वर्गों के अधिकारों की रक्षा और उनके विकास को प्राथमिकता दी गई है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य ऐसा विकास मॉडल तैयार करना है, जिसमें किसी भी समुदाय को पीछे न रहना पड़े। सरकार समान अवसर और समावेशी विकास के जरिए समाज के हर वर्ग तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह घोषणा आगामी विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए की गई है। पश्चिम बंगाल विधानसभा में कुल 294 सीटें हैं और चुनाव अगले कुछ महीनों में होने की संभावना जताई जा रही है। ऐसे में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस लगातार चौथी बार सत्ता में लौटने की कोशिश कर रही है, वहीं भारतीय जनता पार्टी भी राज्य में अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए पूरी ताकत लगा रही है।

एलपीजी बुकिंग के नाम पर साइबर ठगी

गैस की किल्लत के बीच सक्रिय हुए ऑनलाइन ठग

यूनिक समय, नई दिल्ली। देश में रसोई गैस की संभावित कमी की खबरों के बीच साइबर अपराधियों ने लोगों को ठगने का नया तरीका अपना लिया है। गैस सिलेंडर की बढ़ती मांग और लोगों की जल्दबाजी का फायदा उठाकर ठग फर्जी लिंक और नकली वेबसाइट के जरिए "एलपीजी बुकिंग स्कैम" चला रहे हैं। सोशल मीडिया और इंटरनेट पर तत्काल गैस सिलेंडर डिलीवरी का झांसा देकर लोगों से अग्रिम भुगतान के नाम पर ठगी की जा रही है।

दरअसल, पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण ईंधन आपूर्ति को लेकर चिंता बढ़ी है। ऐसे में कई लोग जल्द से जल्द गैस सिलेंडर बुक करने की कोशिश कर रहे हैं। इसी स्थिति का फायदा उठाते हुए साइबर ठग फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप जैसे मंचों पर फर्जी विज्ञापन और लिंक साझा कर रहे हैं। इन विज्ञापनों में "तुरंत गैस सिलेंडर डिलीवरी" या "आपातकालीन गैस आपूर्ति" जैसे आकर्षक दावे किए जाते हैं, जिससे लोग बिना जांचे–परखे उन पर क्लिक कर देते हैं।

ठग बिल्कुल असली दिखने वाली नकली वेबसाइट तैयार करते हैं। जब लोग गैस बुकिंग की जानकारी या हेल्पलाइन नंबर खोजते हैं, तो ये फर्जी लिंक सामने आ जाते हैं। कई उपभोक्ता इन वेबसाइटों पर दिए गए भुगतान विकल्प पर क्लिक कर देते हैं और उन्हें लगता है कि उनका सिलेंडर बुक हो गया है, जबकि वास्तव में वे ठगी का शिकार बन जाते हैं।

इन फर्जी वेबसाइटों पर दिए गए नकली हेल्पलाइन नंबर पर कॉल करने पर उपभोक्ताओं से ओटीपी, बैंक खाता नंबर, यूपीआई पहचान संख्या या कार्ड से जुड़ी जानकारी मांगी जाती है। जानकारी मिलते ही ठग उनके खाते से पैसे निकाल लेते हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि गैस सिलेंडर की बुकिंग हमेशा गैस कंपनी के आधिकारिक मोबाइल अनुप्रयोग या आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से ही करनी चाहिए। किसी भी अनजान लिंक पर भुगतान न करें और ओटीपी या बैंक से जुड़ी जानकारी किसी के साथ साझा न करें।

यदि कोई व्यक्ति गलती से ऐसे किसी धोखाधड़ी का शिकार हो जाए तो तुरंत भारत सरकार की साइबर हेल्पलाइन संख्या 1930 पर सूचना देनी चाहिए या राष्ट्रीय साइबर अपराध पोर्टल पर शिकायत दर्ज करनी चाहिए। समय रहते शिकायत करने से पैसे वापस मिलने की संभावना बढ़ जाती है।

हाईवे पर ट्रैक्टर-ट्रॉली और ट्रेलर की टक्कर से लगी भीषण आग

आग पर काबू पाते दमकलकर्मी।

जलपुरुष प्रमोद कसेरे की ओर से भेजा गया पानी का टैंकर दमकलगाड़ी का सहयोग को खड़ा हुआ।

यूनिक समय, मथुरा। नेशनल हाईवे पर शुक्रवार दोपहर नवादा के पास ट्रैक्टर-ट्रॉली और ट्रेलर की हुई टक्कर के बाद भीषण आग लग गई। ट्रेलर में बिनौला भरे होने के कारण आग ने कुछ ही देर में विकराल रूप ले लिया। घटना के बाद हाईवे पर अफरा-तफरी मच गई और वाहनों की लंबी कतार लग गई। दोपहर के समय तेज रफ्तार से आ रहे ट्रैक्टर-ट्रॉली और ट्रेलर की अचानक जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रेलर में भरी बिनौला ने तुरंत आग पकड़ ली और देखते ही देखते आग की लपटें उठने लगीं। आग लगते ही आसपास मौजूद लोग घबरा गए। बताया जा रहा है कि ट्रेलर में बड़ी मात्रा में बिनौला लदा हुआ था। टक्कर के बाद किसी कारणवश उसमें आग लग गई। ज्वलनशील होने के कारण आग तेजी से फैलती चली गई। कुछ ही मिनटों में पूरा ट्रेलर आग की लपटों में घिर गया। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की गाड़ी तुरंत मौके पर पहुंच गई। फायर ऑफिसर और दमकल कर्मियों ने हालात को देखते हुए तत्काल आग बुझाने का अभियान शुरू किया। दमकलकर्मियों ने कड़ी मशक्कत करते हुए पानी की तेज धार से आग पर काबू पाने की कोशिश की। पानी की कमी को पूरा करने के लिए जल पुरुष प्रमोद कसेरे ने अपने पानी से भरे छह टैंकरों को भेजा। इन टैंकरों से पानी लेकर आग पर काबू पाया जा सका। आग लगने और वाहनों के क्षतिग्रस्त होने के कारण नेशनल हाईवे-19 पर कुछ समय के लिए यातायात बाधित हो गया। मौके पर मौजूद लोगों की भीड़ और आग की लपटों के कारण वाहन चालकों में दहशत का माहौल बन गया।

ब्लिंकिट ऐप से सामान मंगाना पड़ा भारी

युवती के खाते से उड़े 85 हजार रुपये

यूनिक समय, मथुरा। जनपद में लगातार चलाए जा रहे जागरूकता अभियानों के बावजूद साइबर ठगी के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। ताजा मामला सदर बाजार थाना क्षेत्र की पुरानी छावनी का है, जहां एक युवती ऑनलाइन ठगी का शिकार हो गई। जानकारी के अनुसार युवती ने घर के लिए सामान मंगाने हेतु ब्लिंकिट ऐप के माध्यम से ऑर्डर किया था। बाद में ऑर्डर रद्द कराने के लिए उसने हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क किया। बातचीत खत्म होने के कुछ ही देर बाद युवती के मोबाइल पर बैंक खाते से पैसे कटने के संदेश आने लगे। जब तक वह कुछ समझ पाती, तब तक साइबर ठग उसके खाते से करीब 85 हजार रुपये निकाल चुके थे। घटना की जानकारी मिलते ही युवती ने तत्काल साइबर क्राइम सेल में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के बाद साइबर सेल ने तत्परता दिखाते हुए संदिग्ध बैंक खाते को फ्रीज करा दिया।

पीड़िता ने पुलिस प्रशासन से मामले की गहन जांच कर साइबर ठगों को जल्द गिरफ्तार करने की मांग की है, ताकि भविष्य में अन्य लोग इस तरह की ठगी का शिकार न हों।

गिलट व्यवसायी समिति का होली मिलन समारोह संपन्न

कार्यक्रम में थिरकती महिलाएं।

यूनिक समय, मथुरा। गिलट व्यवसायी समिति का 49वां वार्षिक शैल महोत्सव (हण्डा) और पारिवारिक होली मिलन समारोह गरुण गोविंद मंदिर में श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत ठाकुर जी के अभिषेक, नवीन वस्त्र धारण और ध्वजारोहण से हुई। इसके बाद छप्पन भोग अर्पित किए गए और ब्राह्मण भोज का आयोजन किया गया। समारोह में पिछड़ा वर्ग आयोग सदस्य भुवनभूषण कमल का चंदन तिलक और पटुका पहनाकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में तान्या, गौरांग और आशु शर्मा ने भजन व होली गीत प्रस्तुत कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया, जिस पर श्रद्धालुओं ने जमकर नृत्य किया।

इस अवसर पर हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। विनय अग्रवाल हरीश अग्रवाल गोपाल अग्रवाल, तुषार हाथी वाला, प्रदीप चौधरी, प्रवीन मित्तल, अशोक यादव, हरिओम अग्रवाल, राजेंद्र वर्मा व सभी गिलट व्यवसायियों का आयोजन को सफल बनाने में सक्रिय सहयोग रहा। अंत में महामंत्री पवन अग्रवाल ने सभी का आभार व्यक्त किया।

अवैध शराब सहित तीन तस्कर गिरफ्तार

मांट पुलिस की गिरफ्त में शराब तस्कर।

हरियाणा मार्का अवैध शराब की बड़ी खेप बरामद

यूनिक समय, मथुरा। जनपद में अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना मांट पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से हरियाणा मार्का अंग्रेजी शराब की बड़ी खेप बरामद की है। पुलिस ने मौके से एक कार और फर्जी नंबर प्लेट भी बरामद की है। पुलिस के अनुसार देर रात करीब 12:15 बजे यमुना एक्सप्रेसवे पर माइलस्टोन 94.700 के पास गश्त के दौरान संदिग्ध कार को रोककर जांच की गई। तलाशी के दौरान कार से भारी मात्रा में अवैध शराब बरामद हुई। पुलिस ने मौके से तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से कुल 60 फुल बोतल, 168 हाफ बोतल और 96 क्वार्टर अंग्रेजी शराब बरामद हुई। यह सभी बोतलें हरियाणा मार्का रॉयल ग्रीन क्लासिक ब्लेंडेड व्हिस्की की थीं, जिन्हें अवैध रूप से अन्य स्थानों पर ले जाया जा रहा था। बरामद शराब की कुल मात्रा लगभग 14 पेटी बताई जा रही है। पुलिस ने बताया कि शराब की तस्करी में प्रयुक्त कार पर फर्जी नंबर प्लेट लगी हुई थी। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बिहार राज्य के रोहतास जिले के निवासी नरायण निषाद (31 वर्ष), रितेश कुमार (22 वर्ष) और सुभम कुमार (23 वर्ष) के रूप में हुई है। तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर थाना मांट में मुकदमा संख्या 54/2026 के तहत आबकारी अधिनियम की धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम में थाना मांट के उपनिरीक्षक सुभाष चंद्र कुमार, उपनिरीक्षक अभिनव कुमार, हेड कांस्टेबल अली मोहम्मद तथा कांस्टेबल नितिन कुमार और अंकित कुमार शामिल थे।

द्वितीय शनिवार व रविवार को भी खुले रहेंगे कर विभाग के कार्यालय

यूनिक समय, मथुरा। नगर निगम ने वित्तीय वर्ष 2025-26 की समाप्ति को देखते हुए करदाताओं की सुविधा के लिए विशेष व्यवस्था की है। नगर निगम प्रशासन के अनुसार वित्तीय वर्ष की समाप्ति में अब मात्र 17 दिन शेष रह गए हैं, ऐसे में कर वसूली और भुगतान की प्रक्रिया को सुचारु बनाए रखने के लिए माह के द्वितीय शनिवार और रविवार को भी कर विभाग के कार्यालय खुले रहेंगे। नगर निगम के औरंगाबाद जोन, भूतेश्वर जोन, सिटी जोन तथा वृंदावन जोन के कार्यालय अन्य कार्यदिवसों की तरह ही कार्य करेंगे। नगर निगम ने शहर के सभी भवन स्वामियों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में अपने गृहकर और जलकर के बिल का समय पर भुगतान करें। इससे वित्तीय वर्ष समाप्त होने के बाद बिल की राशि पर लगने वाले 12 प्रतिशत अतिरिक्त ब्याज से बचा जा सकेगा।

नियम पुनरीक्षण समिति की बैठक

जनप्रतिनिधियों के पत्रों के समयबद्ध निस्तारण के दिए निर्देश

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश विधान परिषद की नियम पुनरीक्षण समिति की बैठक कार्यकारी सभापति हरि ओम पाण्डेय की अध्यक्षता में हुई। बैठक में पिछले तीन वर्षों में विधान परिषद एवं विधान सभा सदस्यों से प्राप्त पत्रों पर विभिन्न विभागों द्वारा की गई कार्रवाई की समीक्षा की गई। कार्यकारी सभापति ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनप्रतिनिधियों के पत्रों का गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए तथा संबंधित जनप्रतिनिधियों की कार्रवाई से समय पर अवगत कराया जाए। बैठक में विधायक निधि से होने वाले विकास कार्यों की प्रक्रिया और समय सीमा की जानकारी दी गई। इस पर कार्यकारी सभापति ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी कार्य शासनादेशों के अनुरूप निर्धारित अवधि में पूरे किए जाएं। पिछले तीन वर्षों में विधायक निधि से कराए गए विकास कार्यों का विवरण भी प्रस्तुत किया गया।

कार्यकारी सभापति ने यह भी जानकारी ली कि पिछले तीन वर्षों में विधान परिषद की किन समितियों की बैठकें हुईं और उनके निर्देशों का कितना अनुपालन किया गया। साथ ही अल्पसूचित, तारांकित तथा अतारांकित प्रश्नों के उत्तर, नियम 115, 105, 110 और 111 के अंतर्गत भेजी गई सूचनाओं, प्राप्त याचिकाओं तथा विशेषाधिकार हनन से संबंधित मामलों की स्थिति पर भी समीक्षा की गई। सभापति ने निर्देश दिए कि शासन के निर्देशों के अनुसार शिलान्यास और उद्घाटन कार्यक्रमों के शिलापट्टों पर संबंधित विधायकों के नाम अंकित किए जाएं। बैठक में सदस्य ऋषि पाल सिंह, विधायक पूरन प्रकाश (बल्देव), विधायक राजेश चौधरी (मांट) तथा एमएलसी योगेश नौहवार, नगर आयुक्त जग प्रवेश, मथुरा-वृन्दावन विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष लक्ष्मी नागप्पन, मुख्य विकास अधिकारी पूजा गुप्ता, अपर जिलाधिकारी (नमामि गंगे) नंद प्रकाश मौर्य, पुलिस अधीक्षक ग्रामीण सुरेश चंद्र रावत, मुख्य चिकित्सा अधिकारी

कार्यकारी सभापति हरि ओम पाण्डेय ने विभागीय कार्यों की समीक्षा बैठक की

विधायक निधि व ओडीओपी योजना की प्रगति पर ली जानकारी

डॉ. राधावल्लभ, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. नरेंद्र नारायण शुक्ला, परियोजना निदेशक डीआरडीए अरुण कुमार, उपायुक्त मनरेगा विजय कुमार पाण्डेय, उप कृषि निदेशक वसंत कुमार दुबे, जिला विद्यालय निरीक्षक रविंद्र कुमार, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग गुलवीर सिंह, जिला आबकारी अधिकारी उपेंद्र सिंह, जिला उद्यान अधिकारी मनोज कुमार, सहायक श्रम आयुक्त एम. एल. पाल, जिला कार्यक्रम अधिकारी बुद्धि मिश्रा तथा परियोजना निदेशक नेडा एस. के. वर्मा आदि उपस्थित थे।

'स्कूल चलो अभियान' से बढ़ेगा नामांकन, शिक्षा पर जोर:बीएसए

यूनिक समय, मथुरा। नए शैक्षिक सत्र 2026-27 में अधिक से अधिक बच्चों का विद्यालयों में नामांकन सुनिश्चित करने के लिए जिले में 'स्कूल चलो अभियान' चलाया जाएगा। इस संबंध में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी रतन कीर्ति ने सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी किए हैं। अभियान का उद्देश्य बच्चों, अभिभावकों और आमजन में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना और प्रत्येक बच्चे को विद्यालय से जोड़ना है।

जारी निर्देशों के अनुसार अभियान के तहत व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा। इसके लिए विद्यालयों और सार्वजनिक स्थानों पर वाल राइटिंग कराई जाएगी, साथ ही सिनेमाघरों और स्थानीय चैनलों के माध्यम से भी लोगों को शिक्षा के महत्व के बारे में जागरूक किया जाएगा। अधिकारियों ने कहा कि शिक्षा के प्रति सकारात्मक वातावरण बनाने के लिए समाज के सभी वर्गों का सहयोग लिया जाएगा। विद्यालय स्तर पर अधिक नामांकन सुनिश्चित करने के लिए स्थानीय समुदाय, विद्यालय प्रबंधन समिति, मातृ समूह और क्षेत्र के प्रभावशाली लोगों की सक्रिय भागीदारी भी ली जाएगी। इसके अलावा अभिभावक बैठकों का आयोजन कर उन्हें बच्चों का नामांकन कराने और उन्हें नियमित रूप से यूनिफॉर्म में विद्यालय भेजने के लिए प्रेरित किया जाएगा।अभियान के अंतर्गत शिक्षक, शिक्षामित्र और अनुदेशक गांव-गांव और घर-घर जाकर लोगों को जागरूक करेंगे। आंगनवाड़ी केंद्रों में पंजीकृत बच्चों का डाटा तैयार कर उनका शत-प्रतिशत नामांकन परिषदीय विद्यालयों में कराया जाएगा। वहीं कक्षा पांच पास कर चुके विद्यार्थियों का उच्च प्राथमिक विद्यालयों में प्रवेश कराया जाएगा। साथ ही कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों में भी निर्धारित लक्ष्य के अनुसार छात्राओं का नामांकन सुनिश्चित किया जाएगा।

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित। कार्यालय:- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा। संपादक-पवन गौतम। फोन नंबर-0565-2420150, मो। 9837155888 E-mail : uniquesamaynews@gmail.com website : uniquesamay.com सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा। RNI-UPHIN/2023/85053